पाक्षिक

क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर

Postal Regn No.C.G./RYP DN/65/2023-25

◆ वर्ष - 21 ◆ अंक - 10 ◆ रायपुर 20 नवंबर 2024 ◆ पृष्ठ - 16 ◆ मूल्य-5/- रुपया

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशव्यापी धान खरीदी महापर्व का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में किसानों ने भांठागांव (बी) खरीदी केन्द्र में बेचा अपना धान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज छत्तीसगढ़ राज्य में समर्थन मूल्य पर किसानों से प्रदेशव्यापी धान खरीदी महापर्व का शुभारंभ बालोद जिले के भांठागांव (बी) धान खरीदी केन्द्र से किया।

इसी के साथ आज 14 नवम्बर राज्य में किसानों से धान खरीदी की शुरूआत हो गई है, जो 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। मुख्यमंत्री साय ने भांठागांव (बी) उपार्जन केन्द्र पहुंचने के बाद इलेक्ट्रॉनिक तौल एवं अन्य यंत्रों का पूजन और वहां उपस्थित किसानों को माला पहना कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने किसान भाईयों को धान खरीदी महापर्व के शुभारंभ की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में ग्राम भांठागांव के किसान भागबली ने कुल 148 क्विंटल और हरिराम ने 65 क्विंटल

20 किलो धान की बिक्री की। मुख्यमंत्री के समक्ष अपने धान की बिक्री का अवसर प्राप्त होने से किसान भागबली और हरिराम बहुत ही खुश नजर आ रहे थे। उक्त उपार्जन केन्द्र में 14 नवम्बर को धान खरीदी हेतु कुल 06 किसानों का टोकन काटा गया है। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम मोहंदीपाट में 30 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित जिला सेवा सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा मर्यादित दुर्ग के नवीन शाखा भवन का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री साय ने इससे पूर्व छत्तीसगढ़ महतारी के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम स्थल में मुख्यमंत्री साय ने शहीद बिरसा मुंडा एवं गहिरा गुरु के तैल चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य में पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 31 जनवरी 2025 तक होगी।

छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति पर कैबिनेट की मुहर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 14 नवंबर को छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024-30 का विमोचन किया। इसके साथ ही सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024-30 पूरे दिन ट्रेंडिंग करती रही। विदित हो कि छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के साथ ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई औद्योगिक नीति बनाने की घोषणा की थी। इसे अमलीजामा पहनाते हुए राज्य गठन के 25वें वर्ष यानी रजत जयंती के साथ ही जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 14 नवंबर को नई छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024- 30 पर विमोचन किया। विमोचन के बाद श्री साय ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि इस औद्योगिक नीति का निर्माण सभी की सहभागिता से किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद यह 6 वीं औद्योगिक नीति है, जिसमें प्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार, पर्यटन और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री का बस्तरिया अंदाज में हुआ स्वागत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में शामिल होने चित्रकोट पहुंचने पर बस्तरिया अंदाज में स्वागत हुआ। उनके स्वागत में जनजातीय लोक नर्तक दलों ने आकर्षक प्रस्तुति दी जनप्रतिनिधियों ने पारंपरिक गौर सिंग मुकुट पहनाकर उनका अभिनन्दन किया। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल चित्रकोट में बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक के आयोजन हेतु विशेष तैयारियां की गई थीं7 इस मौके पर मुख्यमंत्री साय ने बस्तर हाट की थीम पर आधारित एक्सपीरियंस जोन एवं विभिन्न विभागीय स्टालों का अवलोकन

किया। प्राधिकरण के बैठक स्थल पर संभाग के सात जिलों बस्तर, कोण्डागांव, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर, सुकमा और बीजापुर की विकास योजनाओं और उपलब्धियों को स्टॉल के जरिए साझा किया गया। इन स्टालों में विकास और नवाचार की विस्तृत झलक दिखी।

बस्तर कॉफी के सफर की दिखी झलक

बस्तर जिले के स्टाल में बस्तर कॉफी की प्रक्रिया और उसके प्रसार को रोचक ढंग से दिखाया गया है। प्रदर्शनी में कॉफी उत्पादन, ताजा चेरी उत्पादन से लेकर कॉफी की धुलाई, भुनाई, पिसाई और पाउडर पैकेजिंग तक की पूरी प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया है। %बस्तर कैफे%

गौरसिंग मुकुट पहनाकर किया गया अभिनन्दन

की पहल से स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया गया है। बस्तर कॉफी ब्रांड को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने का प्रयास भी जारी है।

कला और नवाचार का संगम कोण्डागांव जिले ने स्टाल के माध्यम से अपनी पारंपरिक शिल्पकला और आधुनिक विकास परियोजनाओं को सामने रखा है। झिटकू मिटकी आर्टिसन प्रोड्यूसर ने बेल मेटल कला से अयोध्या के राम मंदिर के स्थापत्य को प्रदर्शित किया।

भाटापारा शहर में बाईकर्स मचा रहे हैं आतंक, लोग भयभीत

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर मे इन दिनो नाबालिग वाहन चालको एवं मोडीफ ाई साईलेंसर के साथ पटाखा फ ोड़ते हुये वाहन दौड़ाने वालो का सड़क पर आतंक मचा हुआ है दर्जनो की तादाद मे उपरोक्त किस्म के वाहन चालक शहर के प्रमुख मार्ग गोविंद चैक सदर बाजार, पंचायती मंदिर, सती मंदिर होकर बस स्टैड की ओर जाने वाली सड़क पर फ र्राटे से दौड़ रहे है इन वाहनो के कारण सड़क पर अनुशासित व शांतिपूर्ण ढंग से चलने वाले लोगों को दुर्घटना का भय निरंतर सता रहा है शहर मे नाबालिग वाहन चालक तीन सवारी वाहन

चालक तथा बिना नंबर प्लेट के वाहन दौड़ाने वालो के विरूद्ध कार्यवाही नहीं होने से उक्त किस्म के वाहन चालको का सड़क पर खुलेआम प्रदर्शन बेखौफ हो रहा है। शहर के प्रायरू प्रायरू सभी हिस्सो मे तेज रफ्तार वाहन दौड़ाने आडे तिरछे कट मारकर वाहन भगाने वालो का आतंक लगातार बढ रहा है जिससे अनेक लोग चोटिल भी हो चुके है तेज रफ्तार वाहन चालक दुर्घटना को अंजाम देने के बाद हवाईअंदाज से भाग खडे हो रहे है पूर्व मे शहर के प्रमुख चैक चैराहे रेस्ट हाउस चैक हास्पिटल चैक तरेंगा नाका व बस स्टैड चैक पर ट्रेफि क पुलिस बल का अमला लगातार तैनात रहता था व यातायात को नियंत्रित किया जाता रहा लेकिन पिछले कुछ महीनो से शहर के व्यस्त चैक चैराहो पर यातायात पुलिस की व्यवस्था बिल्कुल हीं नहीं है जिससे नाबालिग वाहन चालक पटाखा वाले वाहन चालक तीन सवारी बिठाकर वाहन दौड़ाने वाले वाहन चालक एवं बिना नंबर प्लेट के वाहन दौड़ाने वाले लोगों का पूरे शहर मे आतंक मचा हुआ है जिससे लोग अब यह प्रतिक्रिया देने लगे है कि शहर मे कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज है कि नहीं वहीं शहर के प्रमुख चैक चैराहे पर लगाये गये ट्रेफि क सिग्नल भी कार्य नहीं कर रहे है उपरोक्त संबंध मे यातायात प्रभारी का पक्ष जानने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होने मोबाईल का कोई प्रत्युत्तर देना उचित नहीं समझा।

निपनिया में पेंशनधारियों का दीपावली मिलन संपन्न

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। ग्राम पंचायत भवन निपानिया में छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ के तत्वाधान में आयोजित दीपावली मिलन समारोह एवं 80 वर्ष पूर्ण कर चुके 10 पेंशनर्स का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उक्त सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि श्रीमती शैल कुमारी नेताम, अध्यक्षता कामता प्रसाद रावत सरपंच व विशिष्ट अतिथि किशोर गुप्ता उपस्थित थे। 80 वर्ष से अधिक सेवानिवृत्ति रंगी लाल रावत, सभाजीत सिंह ठाकुर, श्याम सुंदर तिवारी, रामखेलावन ध्रुव, सेवक दास मानिकपुरी, राधा चरण शुक्ला, दिलीप सिंह बिसेन, रघुनाथ प्रसाद

पटेल, कमल नारायण यदू व आसाराम अनंत का साल श्रीफल देकर संघ द्वारा सम्मान किया गया। उक्त अवसर पर दीपक मिश्रा, रामकुमार वर्मा, प्रकाश यादव, नरेश नेताम, रामलोचन शर्मा, रमेश वर्मा, श्रीमती सुमित्रा वर्मा, सीताराम ध्रुव, द्वारका ध्रुव, तोरण लाल देवांगन, शोभा वर्मा, राजीव यादव, दीपक मिश्रा व प्रकाश जाधव उपस्थित थे।

भाटापारा मंडी में धान व अन्य उपज की बंपर आवक जारी, भाव भी अच्छा

भाटापारा। प्रदेश की सबसे बडी कृषि उपज मंडी भाटापारा मंडी मे बुधवार को रिकार्ड तोड़ धान की आवक हुई। बेमेतरा, मुंगेली, कवर्धा, पेंन्ड्रा गौरेला मरवाही, चांपा जांजगीर, सारंगढ-बिलाईगढ सहित दूर दराज के अन्य जिलो के सैकड़ो किसान अपनी उपज बेचने यहां पहुंचे फ लस्वरूप 32 हजार से अधिक धान बोरो की आवक हुई। अपनी उपज बेचने आये किसानो ने बताया कि लंबा सफ र तय करके आने के बावजूद उनकी उपज का बहुत अच्छा भाव उन्हे प्राप्त हुआ इसलिये वे भाटापारा मंडी मे अपनी उपज बेचकर तुरंत चुकारा हासिल कर वापस लौट रहे है। मंडी प्रांगण मे बुधवार को विष्णु भेग धान 4085 रूपये प्रति क्विंटल की दर पर बिका वहीं सामान्य किस्म के विष्णु भेग धान 4050 रूपये प्रति क्विंटल के दर पर बेचा गया, श्रीराम धान 3251 रूपये प्रति क्विंटल तथा श्रीराम ईनेम 3380 रूपये प्रति क्विंटल के उच्च स्कोर पर बेचा गया, वहीं एचएमटी एवं एचएमटी ईनेम क्रमशरू 2870 व 3380 रूपये प्रति क्विंटल के दर पर बिका, महामाया नया धान की आवक भी ठीक रहीं और यह उम्मीद से ज्यादा 2826 रूपये प्रति क्विंटल के दर पर बेचा गया, इसी तरह महामाया ईनेम धान 2270 रूपये प्रति क्विंटल पर बिका, मोटा मिक्स धान 2200 तथा सरना धान 2251 रूपये प्रति क्विंटल के दर पर बेचा गया, मंडी प्रांगण मे गेहूं की भी भरपूर आवक हुई जो 2846 रूपये के दर पर बेचा गया।

लोक कलाकार का किया सम्मान

विशेषप्रतिनिधि द्वारा

रायपुर /उदय चैरिटेबल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा आश्रय श्याम नगर, कलाकारों का सम्मानित किया साथ ही विभिन्न क्षेत्रों से आये कलाकारो ने सदाबहार गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य निर्माण के शांतिदूत डॉ. उदयभान सिंह चौहान, विशेष अतिथि, डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर, लोक कलाकार एवं सुनील पांडे, कवि थे। संस्था अध्यक्ष सुषमा पटनायक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमारी संस्था मानसिक घुमंतु रोगियों के लिए कार्य करती है एवं अक्षम वृद्ध जनों का पुनर्वास भी करती है। कार्यक्रम में प्राची ने मधुरम मधुरम

गीत प्रस्तुत किया। साथ ही विनोद वाल्मीकि, राकेश दास, उदयराज व बाल कलाकार वत्सल ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में श्रीवास्तव दंपत्ति सहित प्रिया साहू, सुबोध, शकील अहमद, हीरालाल, एन के वर्मा, सुहाना वर्मा, सेतु साहू ने संरक्षक कमल जैन, संजय सहगल ने गीत प्रस्तुत किया। अरुण लता श्रीवास्तव, धनलक्ष्मी दुबा, रेखा दुबे, आराधना खरे, दिव्या केशरवानी, प्रेम पटेल, विनीता श्रीवास्तव, कीर्ति श्रीवास्तव,वरिष्ठ कलाकार श्री संजय निराला, डीएसपी, महिला बाल विकास विभाग डॉ. दीनानाथ यादव, सरवतनकवी प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट सीडबलूसी रायपुर, गजानन साहू जी प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट

सीडब्लूसी बालोद भजन गायिका, भागवत वाचक भूमिका साहू, मीणा यादव, एस.आई. हेमलता वर्मा, शालीमार लकड़ा, पुष्पा एक्का, आइयूसीएडबलू उपस्थित थे। कार्यक्रम का सशक्त संचालन श्रेया श्रीवास्तव ने किया। अंत में अध्यक्ष सुषमा ने आभार व्यक्त किया।

लाल आतंकी साया मिटाकर ही जनजातीय गौरव लौटा सकेंगे

15 नवम्बर : जनजाति गौरव दिवस पर

देशभर में जनजातीय गौरव दिवस का उल्लासपूर्ण वातावरण बना हुआ है। जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत से लेकर उनकी अनुसरणीय समाज व्यवस्था, आध्यात्मिकता और विशिष्ट ज्ञान परम्परा तक की चर्चा की जा रही है। बौद्धिक जगत मननशील है कि विश्व की समस्याओं के निराकरण के लिए हम जनजातीय बन्धुओं से क्या सीख सकते हैं। लेकिन दूसरी ओर, माओवाद के लाल दानव इन गौरवशाली परम्पराओं को नष्ट-भ्रष्ट कर रहे हैं। इसलिए जनजातीय गौरव दिवस हमारे उस दायित्व का स्मरण कराने वाला दिन भी है कि इस कम्युनिस्ट आतंक का रामबाण इलाज ढूँढ़कर भय-आतंक और हिंसा से जनजातीय समाज को मुक्ति दिलाना है।

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नक्सलियों (कम्युनिस्ट आतंकवादियों) द्वारा इसी सोमवार की रात बीजापुर जिले के जांगला थाना क्षेत्र में ग्राम पोटेनार में अपनी कथित जनअदालत लगाकर पुलिस मुखबिरी के आरोप में ग्राम माटवाड़ा के ग्रामीण माड़वी दुलारू की हत्या करने के बाद 15 नवम्बर को मनाए जाने वाले जनजाति गौरव दिवस के परिप्रेक्ष्य में जनजातीय समाज पर माओवादियों के प्रभाव पर विमर्श की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। पिछले अक्टूबर माह में भी नक्सली आतंकवादियों ने 8, 19 और 29 अक्टूबर को बस्तर के विभिन्न इलाकों में कन्हैया ताती, तिरुपति भंडारी और दिनेश पुजारी की हत्या करके दहशत फैलाने का काम किया था। और ऐसी ही कहानियाँ पिछले दो दशकों से लगातार हमें देश के जनजातिङ्कबहुल क्षेत्रों से लगातार सुनने में आ रही हैं। विश्व की एक प्रतिष्ठित संस्था साउथ एशिया टेररिस्ट पोर्टल की वेबसाइट पर प्रकाशित आँकड़ों के अनुसार 2019 से लेकर अब तक निरपराध ग्रामीणों को गोली मारने की ऐसी 49 घटनाएँ हो चुकी हैं, जिनमें कुल 69 लोगों की हत्या की गई है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा 31 दिसम्बर 2019 को प्रकाशित आँकड़ों के अनुसार वर्ष 1999 से 2019 तक 20वर्षों में देशभर में कुल 8,126 निर्दोष नागरिकों की हत्या इन माओवादियों ने की है। इसके अलावा कभी बारुदी सुरंग, तो कभी अन्धाधुन्ध फायरिंग, आदि से हताहत होकर जीवनभर के लिए पंगु हो जाने वाले लोगों की गणना तो अभी बाकी है। ऐसे ही, पिछले ढाई दशकों में अनेक विद्यालय, अस्पताल, पुल-पुलिया आदि इन माओवादियों ने ध्वस्त किये हैं। विकासपरक कार्यों में निरन्तर बाधा डालकर जनजातीय क्षेत्रों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बुनियादी ढाँचे जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित रखा जा रहा है। उन्हें भारत सरकार के खिलाफ बन्दूकें उठाने पर मजबूर किया जा रहा है। अपने सगे-सम्बन्धियों की हत्या के लिए विवश किया जा रहा है। शान्ति, उत्साह और मस्ती से भरा निश्चिन्त जीवन जीने वाले लोग दिन-रात अपनी और अपने परिवार की चिन्ता में लगे रहकर %दादालोगों% की गुलामी को विवश हैं। छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखण्ड, बंगाल, तेलंगाना, आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र आदि राज्यों में तो आए दिन माओवादी घटनाओं से जुड़ी ऐसी खबरें पढ़ने में आती रहती हैं। भले ही माओवादियों के शहरी तन्त्र के कारण इन घटनाओं का बाहर उल्लेख न के बराबर रहता है। अब कुछ सवाल ये खड़े होते हैं कि वे चाहते क्या हैं? जब नक्सली खुद को सरकार की दमनकारी नीतियों का विरोधी बताकर यह दावा करते हैं कि वे सरकारी दमन से जनजातीय समाज के जल-जंगल-जमीन की रक्षा कर रहे हैं, तो फिर वे सीधे-सादे निरपराध जनजातीय समाज के ग्रामीणों की हत्या क्यों कर रहे हैं? हम सब जिन्हें प्रायः नक्सली नाम से जानते हैं, वे खुद के संगठन को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) क्यों कहते हैं? उनके पास आधुनिक हथियार कहाँ से आए? इन लोगों ने अत्याधुनिक खुफिया तंत्र कैसे विकसित कर लिए? चीन के कम्युनिस्ट तानाशाह माओ से भला इनका क्या लेना-देना? इन सवालों का जवाब हम ढूँढ़ें तो पता चलेगा कि दरअसल ये नक्सलवाद, नक्सली, भटके हुए लोग, जैसा कुछ है ही नहीं। यह एक विशुद्ध आतंकवाद है और नक्सली वास्तव में आतंकवादी हैं, जो पूरी दुनिया को कम्युनिस्ट बनाने की सनक के साथ काम कर रहे हैं और पूरी दुनिया में अबतक 10 करोड़ से भी ज्यादा लोगों की जान ले चुके हैं। माओ-प्रेरित ये आतंकवादी जनजातीय समाज की आड़ लेकर आतंक के रास्ते भारत की राजनीतिक सत्ता पर कब्जा जमाने के लिए लाल-युद्ध चला रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में पुलिस और सुरक्षाबलों के द्वारा विभिन्न आपरेशन्स में जब्त अनेक माओवादी दस्तावेज इस बात के प्रमाण हैं कि यह चीन के कम्युनिस्ट तानाशाह माओ त्से तुंग के सशस्त्र कम्युनिस्ट ान्ति के विचारों पर आधारित एक सुनियोजित युद्ध है और उसका एकमात्र लक्ष्य संविधान द्वारा स्थापित भारत की सत्ता को उखाड़कर उसकी जगह चीन की ही तरह कम्युनिस्ट तानाशाही को स्थापित करना है।

ऐसे में यह प्रश्न भी उठता है कि उन्होंने वन्य क्षेत्रों को ही क्यों चुना? तो इसका उत्तर है कि कम्युनिस्ट आतंकवादियों ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत जनजातीय क्षेत्रों को ही इसलिए चुना क्योंकि इन माओवादियों ने भारत के विरुद्ध जब सेना बनानी शुरू की तो वह भलीभाँति यह जानते थे कि भारतीय सेना के आगे तो वह टिक नहीं पाएंगे, इसलिए उन्होंने जंगलों को अपना अड्डा बनाया। घने वनों और उनमें रहने वाले जनजातीय समाज में उन्हें इस युद्ध के लिए अपने सैन्य अड्डे स्थापित करने के साधन दिखाई पड़े, इसलिए ही उन्होंने इन दुर्गम स्थानों की शरण ली और फिर, वहाँ रह रहे जनजातीय समाज की-जीवन-पद्धति, उनकी संस्कृति, उनकी आस्था व आध्यात्मिक चेतना को अपनी दखलंदाजी से खत्म करने का कुच चलाया। जाहिर है, ये जंगल माओवादियों के लिए बेहद सुरक्षित अड्डे बने भी और निश्छल, सहज-सरल जनजातीय समाज को उन्होंने आमना-सामना होने पर पुलिस व सेना के सामने अपने लिए एक ढाल के तौर पर इस्तेमाल किया। केवल इतना ही नहीं, उन्होंने और शहरी (अर्बन) नक्सलियों ने मिलकर दसियों झूठ गढ़कर न केवल जनजातीय समाज को दिग्भ्रमित किया, अपितु शेष समाज में भी जनजातीय समाज को लेकर तरह-तरह की भ्रांतियाँ फैलाकर ऐसा अलगाव पैदा किया जो इस्लाम और ब्रिटिशों के दौर में भी नहीं हो सका था। इन नक्सलियों ने झूठ का ऐसा मायाजाल रचा कि सबसे पहले तो जनजातीय समाज के लोगों को उनकी संस्कृति से दूर किया, उनके समक्ष नए-नए आदर्श रखे, उनमें अपनी पहचान को लेकर भ्रम पैदा किया गया। कम्युनिस्ट आतंकवादियों ने ऐसे कई झूठे विमर्श स्थापित किए हैं। सबसे बड़ा झूठ तो यही है कि माओवादी आदिवासी किसानों और वंचितों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। जबकि, सच यह है कि माओवादी ही जनजातीय लोगों का शोषण कर रहे हैं। उनके आतंकी लड़ाके गाँववालों से अपनी रसद वसूलते हैं। उन्हें आतंकियों को छिपाए रखने को विवश किया जाता है, और जो कोई मुखालफत करता है, वे उसकी क्रूरता से हत्या कर देते हैं। इसी तरह नक्सलियों को महिलाओं के सशक्तीकरण और उन्हें समानता का अधिकार दिलाने के लिए लड़ने वाला बताया जा रहा है, जबकि जनजातीय महिलाओं का सर्वाधिक यौन शोषण माओवादी ही करते हैं। वे अपने संगठन में, अपनी कथित सेना में जिम्मेदारियाँ निभा रही महिलाओं को भी नहीं छोड़ते। अनेक आत्मसमर्पित माओवादियों ने इन अत्याचारों पर से पर्दा उठाया है। आदिवासियों के वनाधिकार के लिए लड़ाई के दावे का सच यह है कि जब केन्द्र सरकार वनाधिकार देने हेतु ड्रोन सर्वे के माध्यम से जमीन की डिजिटल मैपिंग कर रही है, तो ये माओवादी ही उसके विरोध में मिथ्यालाप कर रहे हैं क्योंकि इस मैपिंग से भारत के विरुद्ध जंग में बस्तर को अपना मुख्य अड्डा बनाने के कम्युनिस्ट आतंकवादियों के मंसूबों पर पानी फिर जाएगा। कुल मिलाकर, हमें यह समझ लेना चाहिए कि वे कोई लोगों के लिए लड़ने के लिए नहीं आए हैं, वे अपने भारत-विरोधी मंसूबों को पूरा करने के लिए दण्डकारण्य क्षेत्र में आए हैं। यह सच इन कम्युनिस्ट आतंकवादियों के दस्तावेज़ स्वयं ही उजागर कर देते हैं। सीपीआई (एम) का डॉक्यूमेंट 'स्ट्रैटेजी एण्ड टैक्टिक्स ऑप इंडियन रिवॉल्यूशन' सबकुछ स्पष्ट कर देता है। यह जनजातीय समाज और किसानों के गुस्से से उपजा कोई स्वस्फूर्त आन्दोलन नहीं है। इन कम्युनिस्ट आतंकवादियों का तो संविधान और किसी तरह की संवैधानिक व्यवस्था में विश्वास ही नहीं है। इसे दुर्भाग्य कहें या फिर कम्युनिस्टों के दुष्प्रचार का प्रभाव कि आज सामान्य जनमानस में इस झूठ ने गहरी पैठ बना रखी है।

जनजातीय क्षेत्रों में पैदा की जा रही चुनौतियाँ

कम्युनिस्ट आतंकवादियों ने अब जनजातीय समाज पर अपनी पकड़ के कमजोर होने और सरकार द्वारा माओवाद-विरोधी अभियानों में आई तेजी से बौखलाकर कपट-युद्ध शुरू किया है। फलतः हमारे और हमारे जनजातीय बन्धुओं के समक्ष नई चुनौतियाँ खड़ी हो रही हैं। माओवादी अब यह झूठ भी फैला रहे हैं कि आदिवासी हिन्दू नहीं है। हिन्दू परम्परा का पालन करने पर लोगों को दण्ड दिया जा रहा है। इससे भारतीय समाज में भेद की एक नई रेखा के उपजने की आशंका है। इसके अलावा एक नया झूठ और स्थापित किया जा रहा है कि आदिवासी ही भारत के मूलनिवासी हैं, जो बाहरी लोगों द्वारा पीड़ित हैं। इससे भी समाज के विघटन का संकट हो सकता है। पत्थलगड़ी, पेसा, 5वीं व 6ठी अनुसूची, समान नागरिक संहिता और वनाधिकार कानून पर भ्रम फैलाया जा रहा है। माओवादियों व चर्च का गठजोड़ भी जनजातीय क्षेत्रों में एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। अपने प्रभाव के क्षेत्रों में माओवादी राजनैतिक हत्याएँ तो बढ़ा ही रहे हैं, साथ-साथ इन क्षेत्रों में वे अपना राजनैतिक नियंत्रण भी बढ़ा रहे हैं। इनके इकोसिस्टम द्वारा इन कम्युनिस्ट आतंकियों को राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर पीड़ित- ान्तिकारी बताने का प्रयास भी लगातार किया जा रहा है।

जनजातीय समाज पर प्रभाव

चीन की तरह ही आतंकी तानाशाही की स्थापना की बदनीयती के साथ इन आतंकियों ने बस्तर की स्थिति भी ऐसी कर दी है; कि अब वहाँ न व्यक्ति और न ही अभिव्यक्ति का कोई महत्व है। मुँह खोलने की सजा मौत है। निरीह जनजातीय समाज के मन में उनकी ही चुनी सरकार के प्रति भय और आतंक के भाव इस सीमा तक भर दिए गए हैं कि वे लोग आज भी खाकी वर्दी देखकर छिप जाते हैं। महानगरों में एयर-कण्डीशण्ड कमरों में बैठे कुछ अप्रकट आतंकियों (या आम बोल-चाल के अर्बन नक्सलियों) ने लगातार इसे वंचितों का सरकार के प्रति विद्रोह बताने का दुष्च चलाया है। और दुर्भाग्यवश, हमारे अकादमिक संस्थान भी नक्सल आन्दोलन कहकर इसे वंचित भारतीयों की व्यवस्था के विरुद्ध एक प्रतिि या के रूप में ही पढ़ा रहे हैं। जबकि बस्तर में अभी चल रही माओवादी हिंसा कोई वहाँ के जनजातीय लोगों की चलाई हुई नहीं है, बल्कि उन पर थोपी हुई है। सहअस्तित्व और सामूहिकता के उच्चादर्शों के साथ जीने वाले लोगों के मन में हिंसा और क्रूरता के बीज बोए जा रहे हैं। माओवादियों ने जनजातीय समाज के जीवन को इस सीमा तक प्रभावित किया है कि वे अब आत्मविस्मृत-से होते जा रहे हैं। जनजाति संस्कृति नष्ट की जा रही है, परम्पराएँ भ्रष्ट की जा रही हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से उनका मूल स्वभाव बदल कर उनमें पीड़ित होने का भाव और ज़िहादी मानिसकता भरी जा रही है। पहले गाँव के विषय गायता और पुजारी सुलझाते थे, किंतु अब इसके लिए संघम सदस्य बैठता है। आज हमारे जनजाति बन्धु अपने पुरखों की जगह माओ, लेनिन, मार्क्स आदि को अपना आदर्श मानने को विवश हैं। रमणीय पर्यटन योग्य क्षेत्र की पहचान अब लाल आतंक बन गया है। हिंसा और अत्याचार के वातावरण में वहाँ बचपन मर रहा है। कुल मिलाकर कम्युनिस्ट आतंकवादियों ने जनजातीय समाज के जीवन को अपने उन्माद के नर्क में धकेल रखा है। ये आतंकवादी जनजातीय समाज और भारत के समक्ष नित-नई चुनौतियाँ खड़ी करते जा रहे हैं।

नक्सलमुक्त भारत और छत्तीसगढ़ के संकल्प पर हो रहा काम

लेकिन, ऐसा भी नहीं है कि केंद्र और छत्तीसगढ़ की राज्य सरकार हाथ-पर-हाथ धरे बैठी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में गृह मंत्री अमित शाह और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार में उपमुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा ने एक विजन के साथ नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प के लिए सख्त फैसले लिए हैं। एक तरफ सुरक्षा बल और पुलिस के जवान माओवाद पर निर्णायक प्रहार कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश सरकार की बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाएँ नक्सल प्रभावित गाँवों में संचालित की जा रही हैं। इनमें नियद नेल्लानार, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन), आदिवासी ग्रामीण आवास योजना, तेंदूपत्ता संग्रहण की मानक राशि में वृद्धि आदि उल्लेखनीय है। 16 फरवरी 2024 को शुरू की गई नियद नेल्लानार योजना के जरिए सुदूर नक्सल प्रभावित गाँवों में दो दर्जन से अधिक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जा चुका है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वामपंथी उग्रवाद को समूल नष्ट करने को लेकर न सिर्फ गंभीर हैं बल्कि इसके लिए मोदी सरकार हर संसाधन मुहैया करा रही है। केंद्र और छत्तीसगढ़ की सरकार नक्सलवाद के खिलाफ समन्वित रणनीति बनाकर काम कर रही है। छत्तीसगढ़ में अक्टूबर माह के पहले सप्ताह में ही बड़ा एन्टी नक्सल ऑपरेशन हुआ है, जिसमें सुरक्षाबलों ने 35 माओवादियों को ढेर किया है। पिछले नौ महीनों में 194 से अधिक माओवादी मारे गए हैं, 800 से ज्यादा नक्सलियो का गिरफ्तारियां हुई हैं और 738 नक्सालयों ने आत्मसमर्पण किया है। सुरक्षाबलों ने 10 माओवादी ऐसे मारे हैं जिनका छत्तीसगढ़ के क्षेत्र में लम्बे समय से खौफ बना हुआ था। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास में सबसे बड़ी सफलता है।

बस्तर शांति समिति की क्रांतिकारी पहल

एक तरफ केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकारों ने नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई छेड़ रखी है, वहीं दूसरी तरफ बस्तर शांति समिति ने ातिकारी पहल करते हुए बस्तर के 50 नक्सल पीड़ित जनजातीय लोगों का जत्था लेकर नई दिल्ली में जाकर वामपंथी आतंकवाद के खिलाफ शंखनाद किया। नई दिल्ली जाकर नक्सल पीड़ितों ने मानवाधिकारवादियों से गुहार लगाई कि नक्सलियों के अधिकारों पर शोर मचाने वालों को जनजातियों के शांतिपूर्ण और आतंकमुक्त जीवन के अधिकारों की रक्षा की भी चिंता करनी चाहिए। इस जत्थे ने अपने इस दौरे में राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करके अपनी आपबीती सुनाई। बस्तर शांति समिति के बैनर तले नक्सल पीड़ित आदिवासियों ने जंतर-मंतर पर धरना दिया और वामपंथी उग्रवाद की अब तक उपजाऊ जमीन रहे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में जाकर भी नक्सली आतंक के खिलाफ शंख फूँका। बस्तर शांति समिति की यह पहल देशभर में चर्चा का बनी और मानवाधिकार के नाम पर नक्सलियों की ढाल बनते रहने वाले मानवाधिकारवादियों के पाखंड से देश रू-ब-रू हुआ।

सुपरिणाम सामने आने लगे

इन तमाम प्रयासों के सुपरिणाम भी सामने आने लगे हैं। अभी हाल ही बस्तर के ही नारायणपुर के नक्सल प्रभावित गारपा ग्राम के वे लगभग 40 परिवार, जो नक्सलियों के भय से नारायणपुर के ही गुडरीपारा में रह रहे थे, वापस अपने गाँव रहने के लिए लौट आए हैं, जिन्हें नक्सलियों ने करीब दो दशक पहले गाँव से बेदखल करते हुए भगा दिया था। यदि यह म चलता रहा तो यकीनन जनजातीय समाज का खोया स्वाभिमान लौटेगा और वह अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ विकास की मुख्यधारा से भी जुड़ेगा। इससे जनजातीय समाज के प्रति व्याप्त विकृत धारणाओं का शमन भी होगा और सम्पूर्ण हिन्दू समाज एकजुट होकर आतंक, भय, विवशता के चंगुल से मुक्त जनजातीय समाज के साथ विकसित भारत व विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार भी करेगा। यही जनजाति गौरव दिवस की सार्थकता होगी।

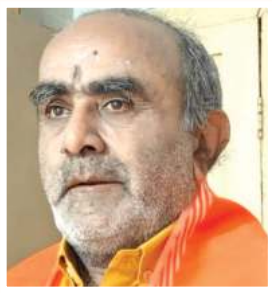

अनिल पुरोहित, पत्रकार

सिंधुणी सेवा समिति द्वारा रंगोली प्रतियोगिता

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। श्री गुरूनानक जंयती के पावन अवसर पर सिंधुणी सेवा समिति भाटापारा द्वारा समाज स्तरीय आयोजित प्रथम बार रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं को श्री गुरूनानक सिंधी धर्मशाला में पुरस्कृत किया गया,इस अवसर पर इंदरलाल थारानी,भीषम गुरयानी, डॉ.वासुदेव ठाकुर,निर्मल दावानी, कैलाश बालानी,नंदलाल तनवानी, राजेश छाबड़िया,गुरमुख गंगवानी, जयपाल ठाकुर, किशोर दावानी, विक्की छाबड़िया,विजय लखवानी, श्रीमती सोनिया बालानी, श्रीमती शीतल आर्य,श्रीमती कोमल थदवानी, श्रीमती

त्रिवेंदर कोर सहित बड़ी जनसंख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे उक्त जानकारी संस्था के अध्यक्ष सागर छाबड़िया द्वारा दी गई, रंगोली प्रतियोगिता के विजेता इस प्रकार रहे–महिला वर्ग में प्रथम श्रीमती हर्षिता थदवानी,द्वितीय श्रीमती शिल्पा थदवानी,बालिका वर्ग सीनीयर प्रथम कु.रीना वासनानी, द्वितीय कु.डाली निहलानी,बालिका वर्ग जूनियर प्रथम कु.श्रेया सचदेव, द्वितीय कु.प्रियंका जसवानी,विशिष्ठ पुरस्कार के अन्तर्गत कु.सिमरन चिमनानी , कु.रीत तलरेजा, कु.याशिका बागवानी, कु.निशा भोजवानी, कु. अनसुईया तलरेजा, कु.प्रियांशी भोजवानी, कु.शीतल तलरेजा, कु.कशिश दावानी, कु.शरुति जसवानी, कु.खुशी बालानी श्रीमती भूमि गंगवानी,श्रीमती शकुन सचदेव, श्रीमती भावना ठाकुर,विशेष रूप से सम्मानित बच्चे कु.प्रथा तोतवानी, कु.मौली गुप्ता,अभिनव दूबे।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने संभाला मोर्चा मृत गायों की करते हैं विधिवत अंतिम क्रिया

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के गो भक्तों के द्वारा विगत कई सालों से (गोठान) वार्ड क्रमांक 14 मुक्ति धाम में एक्सीडेंट, दुर्घटना व गौशाला की मृत गाय को सम्मानजनक ढंग से मिट्टी देते हैं। गाय के अवशेष पदार्थ कहीं अपमानित न हो, इसका भी ध्यान रखा जाता है। सेवा सुरक्षा संस्कार की भावना को लेकर गो भक्तों के द्वारा सेवा दी जा रही है। इनके द्वारा अभी वर्तमान में वार्ड क्रमांक 14 में गड्ढा खोदकर, सम्मानजनक ढंग से गो भक्तों के द्वारा मिट्टी दिया जाता है। वही बीमार गायों का उपचार किया जाता

है। नगर के गो भक्तों ने अपनी टोली बनाकर गोवंश को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। गो भक्तों के द्वारा नगर पंचायत सीएमओ कमल कपूर चौहान से स्थल की साफ सफाई करने की मांग की गई है। इस कार्य में प्रमुख रूप से दीपक तिवारी, फागूराम सिन्हा, मनीष सेन, दिलीप सिंह, जितेंद्र पाटिल, चेतन साहू, दुर्गेश पटेल, मिथलेश यादव, आशु निषाद, गणेश पाटिल, गोलू साहू सक्रिय रूप से सेवा दे रहे हैं।

बेमेतरा जिले में पत्रकारों की अनदेखी

सम्मान समारोह में केवल चुनिंदा पत्रकारों को मिला न्योता

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। जिला मुख्यालय में 15 नवंबर को कलेक्टर रणवीर शर्मा के नेतृत्व में आयोजित पत्रकार सम्मान समारोह में जिले के कई पत्रकारों को नजरअंदाज किया गया, जिससे नाराजगी का माहौल बन गया है। समारोह में सिर्फ चुनिंदा पत्रकारों को ही आमंत्रित किया गया था, जबकि अधिकांश पत्रकारों को कार्यक्रम से बाहर रखा गया।

यह दूसरी बार है जब जिले में पत्रकारों के प्रति अनदेखी का मामला सामने आया है। इससे पहले, एसपी द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भी जिले के अधिकांश पत्रकारों को नजरअंदाज किया गया था। इस तरह की उपेक्षा के कारण कई पत्रकारों में असंतोष की भावना पनप रही है।

शासन-प्रशासन से हमें ज्यादा कुछ अपेक्षाएं ना पहले रही है ना भविष्य में रहेगा लेकिन जब ऐसे आयोजन के बारे में बाद में पता चलता है तो थोड़ा स्वाभिमान को आहत पहुंचता हैं, बांकि हम अपना काम निष्पक्ष रूप से करते रहेंगे।

हरदी गांव में श्रीमद्भागवत महापुराण का आयोजन, भक्तों को मिलेंगे आध्यात्मिक मार्गदर्शन

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। हरदी गांव में दिवंगत स्व. बहलराम जी की स्मृति और उनकी पत्नी स्व. श्रीमती रामबाई के शांति हेतु एक सप्ताह तक चलने वाले श्रीमद्भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन 21 नवंबर 2024 से 29 नवंबर 2024 तक चलेगा, जिसमें विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों का समावेश होगा।इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों और श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण के माध्यम से धर्म और आध्यात्म की शिक्षा देना है। कथा

वाचन के लिए सुप्रसिद्ध कथावाचक पं. श्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी (थानखम्हरिया) और परायण हेतु पं. श्री ऋषि प्रसाद तिवारी को आमंत्रित किया गया है। प्रतिदिन दोपहर 11:00 बजे से प्रवचन का समय निर्धारित किया गया है। 24 नवंबर 2024 को श्री कृष्ण-रुक्मिणी विवाह का भव्य आयोजन होगा, जिसमें ग्रामीण और श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होने की उम्मीद है। 29 नवंबर 2024 को महाआरती और महाभंडारा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की जाएगी।इस यज्ञ का आयोजक सजीवन गंधर्व सहपत्नी शगनी बाई, नारद राम गंधर्व सहपत्नी उर्वशी बाई हैं।

राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक अजय कुमार राजू ने पीएम जनमन के तहत पीएमजीएसवाई के सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

सरगुजा। सरगुजा जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत परियोजना क्रियान्वयन इकाई क्रमांक 01 अम्बिकापुर के तहत पीएम-जनमन योजना के तहत स्वीकृत सड़कों की मानक मापदण्ड के अनुरूप गुणवत्ता के निरीक्षण हेतु एनआरआईडीए दिल्ली से राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक श्री अजय कुमार राजू ने शनिवार को सड़कों का निरीक्षण किया जिसमें सड़क पेंट से डाहूझरिया लम्बाई 3.00 कि.मी., नकना से पहाड़पारा लम्बाई 6.30 कि.मी., कतकालो से लोटापानी लम्बाई 8.125 कि.मी., कदनई से सेमीडीह लम्बाई 4.20 कि.मी., टिरिंग से खूंटापानी लम्बाई 5.30 कि.मी. एवं पीएमजीएसवाई-प्प् के

संधारण अन्तर्गत सड़क टी 01-रघुनाथपुर से असकला लंबाई 10.65 कि.मी. शामिल है। श्री राजू द्वारा गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया एवं निरीक्षण के दौरान तकनीकी मापदण्ड के सुझाव, गुणवत्ता की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता श्री वाई. के. शुक्ला, सहायक अभियंता श्री संदीप कुमार रवि, सहायक अभियंता श्री सतीश कुमार एक्का एवं उप अभियंता श्री सौरभ पाण्डेय, उप अभियंता श्री कार्तिक केरकेट्टा एवं संबंधित ठेकेदार उपस्थित रहे। पीएम-जनमन योजना के कार्यों की जांच हेतु समय-समय पर राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षकों द्वारा जांच की जा रही है एवं राज्य गुणवत्ता समीक्षकों के द्वारा भी प्रत्येक माह गुणवत्ता की जांच की जा रही है।

गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व पर सिख समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। नगर में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरु सिंह सभा द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। नगर की सड़कों पर भारत माता चौक, जयस्तंभ चौक और त्रिमूर्ति चौक से होकर निकली इस शोभायात्रा ने पूरे शहर को आध्यात्मिकता और भक्ति की भावना से सराबोर कर दिया।

नगर में निकली भव्य शोभायात्रा

गुरु सिंह सभा के तत्वावधान में निकली इस शोभायात्रा में श्री गुरु ग्रंथ साहिब को विशेष रूप से सजी हुई गाड़ी में विराजमान किया गया था। सिख धर्म के अनुयायी गुरु नानक देव जी की जय-जयकार और भजन-कीर्तन के साथ नगर कीर्तन करते हुए पूरे नगर में घूमे। रथ पर गुरु नानक देव जी की तस्वीर को बड़े आकर्षक फूलों से सजाया गया था, जो शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण रही।

अग्रवाल समाज द्वारा गरिमामय स्वागत

अग्रवाल समाज के सदस्यों ने शोभायात्रा का पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ स्वागत किया। समाज के प्रमुख व्यक्तियों - मुकेश सिंघानिया, अनिल सिंघानिया, उज्वल सिंघानिया, विकास सिंघानिया, रमेश जैन और पुरुषोत्तम सिंघानिया ने सिख समाज के भाईयों को दुपट्टा भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

पूर्णिमा की रात में गुरु सिंह सभा में विशेष दीवान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कीर्तन, पाठ और भजन का आयोजन हुआ, जिसमें सिख समाज के श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर सिख समाज के प्रमुख सदस्य प्रताप सिंह छाबड़ा, जसबीर पसरीजा, अमरीक पसरीजा, इंद्रपाल पसरीजा, हितेंद्र पसरीजा, हनी पसरीजा, सिमरन छाबड़ा, सतबीर छाबड़ा, गुरुप्रीत छाबड़ा, मनदीप छाबड़ा, राहुल छाबड़ा, सुमित पसरीजा, रिंकल पसरीजा, राज पसरीजा, विनय सिंघानिया और नारायण सिंघानिया ने उपस्थिति दर्ज कराई।

इस शोभायात्रा ने नगर में धार्मिक और सामाजिक समरसता का संदेश फैलाया। सिख और अग्रवाल समाज के बीच का यह आपसी सद्भाव नगरवासियों के लिए एक प्रेरणा बना। गुरु नानक देव जी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लेते हुए, समाज ने इस पर्व को भक्ति, श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया।

गुरुनानक देव के 555 वें प्रकाश पर्व पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

अंबिकापुर। गुरुनानक देव के 555 वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में 13 नवंबर को गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा अंबिकापुर द्वारा विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इसकी अगुवाई पंज प्यारों ने की। प्रकाश उत्सव गुरुद्वारा में 15 नवंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। गुरु साहब की भव्य शोभायात्रा गुरुद्वारा सिंह सभा, स्कूल रोड से प्रारम्भ हुई। इसकी अगुवाई पंज प्यारे (महेन्द्र सिंह टुटेजा अंम्बिकावाणी अखबार कें प्रधान संपादक) गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष रघुबीर सिंह छाबड़ा नरेन्द्र सिंह भामरा सचिव बलविंदर सिंह छाबड़ा नवराज सिंह बाबरा, हरमिंदर सिंह भामरा, गुरु सेवक सिंह, डॉ. हर्षप्रीत सिंह धनजल, गुरुचरण सिंह छाबड़ा कर रहे थे। शोभायात्रा गुरुद्वारा साहिब से गुरुनानक चौक शिवाजी चौक (गुदरी चौक), जोड़ा पीपल, आकाशवाणी चौक, गांधी चौक, घड़ी चौक, संगम चौक, ब्रम्ह रोड होकर गुरुद्वारा नानक निवास बाबूपारा पहुंची। गुरुद्वारा नानक निवास में गुरुवाणी शबद कीर्तन के कार्यक्रम हुए। शोभायात्रा में सिख समाज के बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों व बच्चों ने हिस्सा लिया। शोभायात्रा में गुरुग्रंथ साहिब की सवारी वाली गाड़ी को फूल-मालाओं से भव्य रूप से सजाया गया था, जो आकर्षण का केन्द्र था। शोभायात्रा में मुख्य रूप से गुरु सिंह सभा के रघुवीर सिंह छाबड़ा, सचिव नरेंद्र सिंह भामरा, मीडिया प्रभारी जगदीप सिंह छाबड़ा, जितेंद्र सिंह सोढ़ी सहित काफी संख्या में समाज के महिला-पुरूष व बच्चे शामिल रहे। शोभायात्रा में समाज की काफी संख्या में महिलाएं शामिल थीं। फूल-मालाओं से सजाए गए गुरुग्रंथ साहिब की सवारी वाली गाड़ी के पीछे महिलाएं विशेष परिधान में चल रहीं थीं।

इस दौरान महिलाएं गुरुग्रंथ के पीछे गुरुवाणी शबद कीर्तन कर रहीं थीं। गुरुनानक देव के 555वें प्रकाश पर्व पर शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान शहर के हर चौक-चौराहों पर विभिन्न समाज व संगठन के लोगों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। 15 नवंबर को गुरु नानक देव जी के 555 वे प्रकाश पर्व मनाया जाएगा। सुबह 11.30 बजे से 2.30 तक शद कीर्तन का प्रोग्राम चलता रहेगा। साथ ही समाज के प्रतिष्ठित लोग गुरु नानक देव जी के शिक्षाओं पर अपने विचार रखेंगे। 12.30 बजे से लेकर शाम तक गुरु का टूट लंगर चलता रहेगा। जिसमें समाज के अलावा नगर के सभी वर्गों के लोग शामिल रहेंगे। रात 9 बजे के बाद बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा, जिसमें बच्चे शद कीर्तन प्रस्तुत करेंगे। साथ ही गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं पर उनकी उदासी यात्राओं पर अपने-अपने विचार रखेंगे। इसके बाद भव्य आतिशबाजी की जाएगी।

अंबिकापुर संत गहिरा गुरु यूनिवर्सिटी की छत गिरी, बड़ी अनहोनी घटना टली

कुलपति का कहना है कि फंड की कमी से जर्जर भवन में चलाया जा रहा है यूनिवर्सिटी को

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

अंबिकापुर। अंबिकापुर शहर के दरीपारा में संचालित संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में एक बड़ा हादसा होते टल गया। रविवार को कुलपति कक्ष से लगा प्रतीक्षा कक्ष का छत भरभराकर ढह गया जिससे न सिर्फ प्रतीक्षा कक्ष बल्कि कुलपति कक्ष को भी क्षति पहुंची।

गनीमत था कि यह हादसा कुलपति प्रो. पीपी सिंह ने बताया कि दरीपारा स्थित पुराने भवन का छत ढहने और गंभीर हादसे की संभावना को देखते हुए भकुरा में निर्माणाधीन भवन परिसर में बन कर तैयार हुए ऑडिटोरियम भवन में अलग- अलग पार्ट और चेंबर बना विभिन्न कार्यालयों को शिफ्ट किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जब तक भवन का निर्माण पूर्ण नहीं हो जाता तब तक इसी प्रकार सभा कक्ष में पार्टीशन कर विभागों का संचालन होगा।

रविवार को हुआ- यदि सोमवार को होता तो किसी गंभीर दुर्घटना की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता था। वर्षों पुराने उधार के भवन में संचालित विवि के विभिन्न विभागों को दुर्घटना के मद्देनजर दूसरे भवन में शिफ्ट करने की भी तैयारी शुरू कर दी गई और जिस ओर का छत विश्वविद्यालय प्रबंधन का कहना है कि मांग के अनुरूप बजट नहीं मिलने के चलते भकुरा में भवन का आधा अधूरा ही निमर्माण हो पाया है। वर्तमान समय में फंड के अभाव में निर्माण रोक दिया गया है। कुलपति प्रो. पीपी सिंह ने बताया कि लगभग 20 से 25 करोड़ रुपए की और आवश्यकता है यह प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

श्रद्धांजलि समारोह में पूर्व राज्यसभा सांसद श्रीगोपाल व्यास जी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। सरस्वती शिशु मंदिर थानखम्हरिया सभा हॉल में आयोजित एक श्रद्धांजलि समारोह में छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यसभा सांसद गोपाल व्यास जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम को पुरुषोत्तम अग्रवाल, नर्सिंग चंद्राकर, रामविलास शर्मा, अनिल सिंघानिया, वीरेन जोशी, जितेन साहू ने संबोधित किया।गोपाल व्यास जी को याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वह छत्तीसगढ़ की राजनीति के प्रमुख स्तंभों में से एक थे और 2006 से 2012 तक राज्यसभा सांसद के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। साधारण परिवार से संबंध रखने वाले गोपाल जी ने अपनी सरलता और सादगी से समाज में एक विशेष पहचान बनाई। सभा में कहा गया कि व्यास जी हमेशा जोड़ने की भावना में विश्वास रखते थे। उनके जीवन का संदेश था कि हमें किसी कार्यक्रम का शुभारंभ फीता काटकर नहीं करना चाहिए, क्योंकि हमारा काम जोड़ने का है, न कि काटने का।

गोपाल व्यास जी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता थे और आपातकाल के दौरान जेल में भी बंद रहे थे। हाल ही में उन्हें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा सदस्यता दिलाई गई थी। वह राष्ट्र, देश और हिंदू सनातन के प्रति सदैव चिंतनशील रहे, और आरएसएस के वरिष्ठ कार्यकर्ता भी रहे।उनके निधन पर सभा में उपस्थित सभी लोगों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और ईश्वर से परिवार और शोक संतप्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति से उबरने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर सुरेश सिंघानिया, पुरुषोत्तम सिंघानिया, देवानंद त्रिपाठी, दीपक तिवारी, गोपाल कागलीवाल, सुभाष सिंह साहू, जलेश्वर सिन्हा, गुलाब साहू, शिक्षक प्राचार्य लखन साहू आदि उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन राकेश जोशी द्वारा किया गया।

सरगुजा संभाग के बलरामपुर में अवैध धान परिवहन के खिलाफ एक्शन:

राजस्व विभाग ने पकड़ा ट्रक, 1295 बोरी धान जब्त

किसानों के लिए टोल फ्री नंबर जारी

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

बलरामपुर जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए किसानों से धान की खरीदी की प्रक्रिया 14 नवम्बर से शुरू हो गई। तहसीलदार डौरा-कोचली और नायब तहसीलदार बलरामपुर ने ग्राम कपिलदेवपुर में अवैध रूप से धान का परिवहन करते हुए एक ट्रक और मुर्गी फॉर्म में भंडारित धान को जब्त किया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम कपिलदेवपुर में ट्रक क्रमांक सीजी 15 डीएफ 3927 में 590 बोरी धान का अवैध परिवहन किया जा रहा था, जिसे नायब तहसीलदार रवि भोजवानी ने मौके पर पकड़ा। इसी प्रकार 301 बोरी धान रामधारी गुप्ता के मुर्गी फॉर्म में अनलोड किया गया था, जिसे तत्काल जब्त कर लिया गया। इसके साथ ही नंदलाल गुप्ता के मुर्गी फॉर्म में भी 330 बोरी अवैध धान और कपिलदेवपुर में पिकअप वाहन से 74 बोरी धान का परिवहन किया जा रहा था, जिसे राजस्व टीम ने जब्त किया। कुल धान लगभग 1295 बोरी धान जब्त कर चलगली थाना में सुपुर्द किया गया।

किसानों के लिए टोल फ्री नंबर जारी

जिले में धान खरीदी विपणन वर्ष 2024-25 के लिए टोल फ्री नंबर 18002333663 जारी किया गया है। जिसमें धान खरीदी से संबंधित जानकारी, सूचना या समस्या के समाधान के लिए संपर्क कर सकते हैं। यदि किसानों को किसी प्रकार की कोई समस्या है तो वह टोल फ्री नंबर पर संपर्क कर इसकी सूचना भी दे सकते हैं। किसान पंजीयन की निर्धारित सीमा तक जिले में 50660 किसानों ने पंजीयन कराया है। इसमें 3980 हजार नए किसान शामिल हैं। जिले में स्थापित 49 धान खरीदी केन्द्रों के जरिए निर्धारित अवधि सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक वे अपना धान बेच पाएंगे और शनिवार, रविवार और सार्वजनिक अवकाश पर धान खरीदी नहीं होगी।

धान खरीदी केन्द्रों में सीसीटीवी कैमरा लगाया जाएगा

इसके साथ ही धान खरीदी केन्द्रों सहित संग्रहण केन्द्रों और राइस मिलों में पारदर्शिता के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाया जाएगा। धान खरीदी के लिए इलेक्ट्रॉनिक कांटा बांट का तौल में इस्तेमाल होगा। धान बेचने वाले पंजीकृत किसानों का बायोमेट्रिक सत्यापन किया जाएगा।

भाटापारा पालिका चुनाव को लेकर सुगबुगाहट तेज

अब पालिकाध्यक्ष का चुनाव सीधे जनता के द्वारा, पार्षद केवल पार्षद रहेंगे

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। संभावित पालिका चुनाव को लेकर अंदरूनी तौर पर हलचल तेज हो गई है। राज्य शासन द्वारा इस बार महापौर एवं पालिकाध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से किये जाने की अधिसूचना जारी कर दिये जाने के बाद राजनीतिक सरगर्मी मे तेजी आ गई है। प्रदेश की सबसे बडी व सबसे पुरानी भाटापारा नगर पालिका जिसका गठन अंग्रेज शासन काल मे सन 1935 मे हुआ था उसके चुनाव को लेकर संभावित अध्यक्ष पद के प्रत्याशी व तमाम 31 वार्डो के पार्षद पद के दावेदार बेसब्री से अब लॉटरी का इंतजार कर रहे है जिसमे अध्यक्ष पद कौन से वर्ग से होगा इस बात को लेकर उत्सुकता से लोग प्रतीक्षा कर

रहे है अध्यक्ष पद मे सामान्य वर्ग, पिछडा वर्ग या अन्य कोई वर्ग का आरक्षण हो सकता है मौजूदा समय मे भाटापारा पालिकाध्यक्ष की कुर्सी पर पिछडा वर्ग महिला कोटे से पार्षदों द्वारा निर्वाचित श्रीमती सुनीता गुप्ता अध्यक्ष पद पर काबिज है अध्यक्ष पद के चक्रवार आरक्षण को मददेनजर रखते हुये यह तो निश्चित है कि इस बार पिछडा वर्ग महिला कोटे को छोड़कर अध्यक्ष पद किसी भी वर्ग से हो सकता है अध्यक्ष पद के लॉटरी को लेकर उत्सुकता का माहौल बना हुआ है लॉटरी निकल जाने के बाद हीं राजनीति की दिशा और दशा तय होगी इसी प्रकार शहर के 31 वार्डो मे कौन से वार्ड किस वर्ग के खाते मे जायेगा इसको लेकर भी लोग प्रतीक्षा मे बैठे है। वार्ड पार्षद के अनेक दावेदार अपने वार्ड के अलावा अन्य वार्डो को भी विकल्प के रूप मे देखते हुये राजनीतिक गुणा भाग मे लगे हुये है कांग्रेस व भाजपा के ज्यादातर पुराने नेताओं का इस बार पत्ता कट सकता है क्योकि आम जनता के बीच वही वही चेहरे आने से आम जनता भी उकता गई है व परिवर्तन के मुड मे है अनेक नेता तो अपने पत्नि व पारिवारिक सदस्य के लिये राजनीतिक जमीन तलाश रहे है वहीं कई नेता दूसरे वार्डो मे जाकर अपने भाग्य आजमाने की सोंच रहे है इधर राज्य शासन द्वारा प्रत्यक्ष जनता द्वारा अध्यक्ष पद का चुनाव कराये जाने के निर्णय के बाद कई ऐसे लोग निराश हो गये है जो पार्षद पद के जरिये विश्वास व अविश्वास मत के दौरान अनेक बार मालामाल हो चुके है अब पालिकाध्यक्ष का चुनाव जनता करेगी जिसके तहत अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठने वाले लोगों को विश्वास व अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले पार्षदों से मुक्ति मिल सकेगी। वहीं चुनाव के दौरान आम मतदाताओं को अब दो प्रकार के वोट डालने होंगे जिसमे एक मत पत्र मे अध्यक्ष पद के दावेदार के लिये मतदान डाले जायेंगे वहीं दूसरे मत पत्र मे वार्ड पार्षद के लिये मतदान मतदाता कर सकेंगे। फि रहाल अध्यक्ष पद की कुर्सी एवं वार्ड पार्षद के लॉटरी का जहां बेसब्री से इंतजार लोग कर रहे है वहीं चुनाव तिथि की भी घोषणा का इंतजार लोगों को है। शासन की मंशा है कि नगरीय निकाय व पंचायत के चुनाव एक समय पर एक साथ कराया जाये उस लिहाज से संभव है कि नगरीय निकाय चुनाव की तिथि कुछ महीनो के लिये आगे बढ सकती है।

भाटापारा-चंदखुरी तक फोर लेन सड़क बनाकर नेशनल हाईवे से जोड़ने की मांग

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नेशनल हाईवे रायपुर बिलासपुर सड़क मार्ग से महज 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित भाटापारा शहर को चंदखुरी नारायणपुर से फोरलेन सड़क बनाकर बेहतर यातायात सुविधा का लाभ दिया जा सकता है एक अरसे से क्षेत्रवासी चंदखुरी नारायणपुर से भाटापारा शहर तक लगभग 12 किलोमीटर सड़क को फोरलेन सड़क बनाने की निरंतर मांग कर रहे है भाटापारा से नारायणपुर चंदखुरी सड़क मार्ग वर्तमान मे टू लेन सड़क है इस मार्ग मे पिछले दस वर्षो मे लगातार सड़क दुर्घटना के आंकड़े भयावह रूप से बढे है साथ हीं इस महत्वपूर्ण सड़क मार्ग से अंबुजा अडाणी, श्री सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, लफार्ज सीमेंट एवं ग्रासीम सीमेंट संयंत्रो के छोटे बडे सभी किस्म के वाहन बडी तादाद मे आवाजाही कर रहे है वहीं प्रदेश की सबसे बडी कृषि उपज मंडी भाटापारा मे भी बारह मासी सैकड़ो वाहन अपनी उपज बेचने विभिन्न जिलो से आ जा रहे है इसके अलावा भाटापारा क्षेत्र मे स्थित लगभग 500 से अधिक दाल, पोहा व राईस मिल के वाहन भी बडी संख्या मे बिलासपुर, कोरबा, कटघोरा, अंबिकापुर, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया सहित अन्य शहर व दूसरे राज्य के अन्य नगरो की ओर आवाजाही कर रहे है फ लस्वरूप 12 किलोमीटर की लंबी टू लेन सड़क मे यातायात जाम व

बाधित होना रोज की समस्या बन गई है वहीं इस मार्ग पर देवरी, अमलडीहा, नारायणपुर गांव की सघन बसाहट होने से आये दिन सड़क दुर्घटना के शिकार हो रहे है। भाटापारा से नारायणपुर चंदखुरी तक लोगों को बेहतर सुरक्षित व संरक्षित यात्रा के दृष्टिकोण से भाटापारा नारायणपुर चंदखुरी 12 किलोमीटर सड़क को फोर लेन सड़क बनाना जरूरी हो गया है ताकि मात्र 12 किलोमीटर के सफर के बाद लोगो को सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग रायपुर बिलासपुर से जोड़ा जा सके इसके लिये यथोचित प्रयास व पहल करके 12 किलोमीटर लंबी सड़क को सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ा जा सकता है ।

भाटापारा से नारायणपुर चंदखुरी तक फोर लेन सड़क बन जाने की स्थिति मे लोगों को सुविधा प्राप्त हो सकेगा। इस बीच भाटापारा शहर से सात किलोमीटर दूर शिवनाथ नदी सेमरिया घाट पर नये उच्च स्तरीय पुल निर्माण भी प्रस्तावित है उसे भी फोर लेन की तर्ज पर बनाते हुये बिलासपुर की ओर से आने वाले तमाम वाहनो को भाटापारा बाईपास के नये रूट बनाकर राजाढार खैरी मार्ग की ओर निकाला जा सकता है सुगम यातायात व्यवस्था बनाये जाने से भाटापारा शहर मे भारी वाहनो का दबाव जहां कम होगा वहीं यात्री बसों को भी बेहतर सड़क सुविधा का लाभ प्राप्त हो सकेगा व सड़क मार्ग पर यात्रा करने वाले कम समय मे अपने गंतव्य की ओर आ जा सकेंगे।

भाटापारा से चंदखुरी नारायणपुर तक 12 किलोमीटर लंबी व 26 मीटर चैड़ी सड़क के निर्माण से नेशनल हाईवे रायपुर बिलासपुर का सीधा सुगम सड़क संपर्क भाटापारा का हो जायेगा उक्त सड़क निर्माण की वर्तमान जरूरत को पूर्ण करने से वर्तमान मे सड़क दुर्घटना मे असमय लोगों की जान जा रहीं है उस पर भी लगाम लग सकेगा क्षेत्रिय नागरिको ने भाटापारा नारायणपुर चंदखुरी 12 किलोमीटर लंबी सड़क को फोरलेन सड़क बनाने की पुरजोर मांग की है।

सायबर अपराध से बचने पुलिस ने जारी किये दिशा निर्देश

भाटापारा। पुलिस प्रशासन द्वारा सायबर ठगी से बचने के लिये लोगों को सचेत किया गया है। उपरोक्त संबंध मे पुलिस प्रशासन ने लोगों को सलाह देते हुये कहा है कि यदि मोबाईल फ ोन मे अगर आपको फ ोन डिस्कनेक्ट करने का संदेश आता है तो यह एक सायबर अपराधी का हीं काल है ऐसे कॉल से सर्तक रहे इसी प्रकार फे डेक्स डीएचएल ब्लू डर्ट जैसी कोई कोरियर आपको किसी पैकेज के बारे मे कॉल करता है और एक नंबर या नौ नंबर या और कुछ नंबर दबाने के लिये कहता है तो उसका भी जवाब न देंवे क्योकि यह भी एक सायबर अपराधी है इसी तरह अगर कोई पुलिस अधिकारी आपको कॉल करते हुये और आपसे आपके आधार कार्ड के बारे मे बात करता है तो उसे भी जवाब न दें क्योकि यह भी एक सायबर अपराधी का फ ोन है इसी तरह फ ोन द्वारा आपको यह बताया जाता है कि आप डिजीटल गिरफ्तारी मे है तो जवाब इस कॉल का भी जवाब न देवें कुछ इसी तरह यदि कोई फ ोन करके यह कहता है कि आपके द्वारा भेजे गये किसी पैकेज मे ड्रग्स पाये गये है तो भी इस किस्म के फ ोन का जवाब न देवें क्योकि यह सायबर अपराधी का कॉल है। पुलिस ने उपरोक्त किस्म के कॉल को न सुनने तथा इस किस्म के किसी भी तरह के कॉल आने पर 1930 नंबर पर सूचित करने अथवा पुलिस थाना को सूचना देने की अपील आम जनता से की है। पुलिस का कहना है कि अगर कोई एसएमएस या वाटसएप्प के जरिये संपर्क करते हुये सवाल करे तो उसके जवाब न देवें इसी तरह कोई आपको कॉल करके कहता है कि उसमे गलती से आपके यूपीआई आई डी पर पैसे भेज दिये है और वह सिर्फ अपना पैसा वापस चाहता है तब भी इस किस्म के कॉल का जवाब न देवे यह सायबर अपराधी की चाल है, इसी प्रकार कोई व्यक्ति फ र्म से यह कॉल आता है कि आपकी कार या वाशिंग मशीन व आपका सोफ ा खरीदना चाहता है और कहता है कि वह सीआरपीएफ से है और आपको अपना आईडी कार्ड दिखाता है तो भी जवाब न देंवे यह भी सायबर अपराधी किस्म के लोग है इसी तरह स्वीगी या जोमैटो से कॉल करते हुये एक नंबर या और कुछ नंबर दबाकर अपने एडेकृस की पुष्टि की बात करता है तो भी कोई जवाब न देवें इसी तरह कोई कॉल जिसमे आपसे आर्डर या राईड या जो भी रदद करने के लिये ओटीपी साझा करने का अनुरोध करता है वह भी सायबर किस्म के अपराधी का कॉल है जिससे आम लोगों को बचना है किसी भी स्थिति मे अपना ओटीपी फ ोन पर किसी के भी साथ साझा न करें कभी भी वीडियो मोड़ पर किसी कॉल का जवाब न देंवे और न हीं ऑफ लाईन सत्यापित करें साथ हीं यह सत्यापित करें कि ऐसे पत्र अधिकृत सरकारी पोर्टल से है कि नहीं।

दालमिल एसोसिएशन भाटापारा
की ओर से समस्त क्षेत्रवासियों को
दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं
गुरुनानक जयंती की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
श्री नरेश आर्य जी
अध्यक्ष
दाल मिल एसोसिएशन भाटापारा
संबंधों की चौखट पर एक दिया हमारी तरफ से भी...
विनीत- दाल मिल व्यापारी कल्याण समिति भाटापारा जिला-बलौदाबाजा-भाटापारा (छ.ग.)

पोहा, मुरमुरा निर्माता कल्याण समिति भाटापारा की ओर से...
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...
रंजीत दावानी
अध्यक्ष- पोहा मिल संघ भाटापारा
सम्माननीय सदस्यगण
विनीत : पोहा, मुरमुरा निर्माता कल्याण समिति, भाटापारा

भाटापारा क्षेत्रवासियों को
राईस मिल एसोसिएशन, भाटापारा की ओर से
दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज की
हार्दिक बधाई... शुभकामनाएं...
गोपाल अग्रवाल
अध्यक्ष, राईस मिल
एसोसिएशन, भाटापारा
अरूण चांडक
संरक्षक
रूपचंद थारानी
संरक्षक
प्रेमचंद भूषणिया
संरक्षक
अश्वनी शर्मा
संरक्षक
नरेन्द्र भुषाणिया
संरक्षक
देवेन्द्र भृगु
अजय शर्मा
अरूण मुंधड़ा
मुकेश थारानी
शरद भृगु
गुरमुख गंगवानी
गुरूमुख भिरानी
अशोक अग्रवाल
संदीप भुषाणिया
नंदकिशोर अग्रवाल
सूरज थारानी
सचिव राईस मिल एसोसिएशन
राहुल शर्मा
वरूण भुषाणिया
आदर्श अग्रवाल
पंकज भृगु
अभिनव अग्रवाल
मयूर शर्मा
चेतन भानुशाली
शिव शर्मा
पूरन जोतवानी
हर्ष गोईदानी
श्याम सचदेव
वेदांत अग्रवाल
सुरेश जोगी
श्री लक्ष्मी एग्रो हतबंध

सरगुजा वन मंडल की घोर लापरवाही

जंगलों का सफाया होते जा रहा है वातावरण खत्म करने में लगे है बेखौफ लकड़ी तस्कर

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

सरगुजा। आखीर सरगुजा वनमंडल कीं घोर लापरवाही सें सरगुजा कीं वातावरण छत्तीसगढ़ का शिमला कहे जाने वालाँ मैनपाट भी इन दिनों लकडी तस्करों के हाथ जमकर खुले हुऐ है, वही ताजा मामला सरगुजा वनमंडल कें लखनपुर वनपरिक्षेत्र का हैं जो लकडी तस्करों के द्वारा बेश किमती लकडी निलिगिरी का ब्रिक्रि करने मे लगे थें. लेकीन व विभाग चुप्पी कुछ और बया कर रही है. बता दे. आपको. इन दिनो लकडी तस्करों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं. की. मैनपाट. हो. सरगुजा. के. बडे वनपरिक्षेत्र मे उनका दबदबा. बना रहता हैं. वन विभाग. उनके सामने सुस्त नजर आते दिख रही हैं. तस्करों द्वारा. आधुनिक मशीनों का उपयोग कर बेसकिमती लकडी पर ही उनकी नजर रहती हैं. छत्तीसगढ़ का शिमला कहे जाने वालाँ मैनपाट जो. एक. पर्यटन स्थल के नाम से प्रसिद्ध था. बाहर बाहर से लोग. घुमने आया करते थे. लेकीन बेखौफ तस्करों कें द्वारा मैनपाट वनपरिक्षेत्र के वातावरण के खत्म करने मे. कोई कसर नही छोड रहे है. सबुत के तौर केवल. लकडी के ठुठ छोड जले जाते हैं इससे तस्कर मोटी रकम खुद तो कमा रहे है. लेकीन. वन विभाग की खामोशी. से ऐसा प्रतीत होता है की. कही वन विभाग के मिलिभगत से. तो. तस्करों के हौसले. चढकर बुलंद हो चुके हैं. मिडिया कर्मी उच्च अधिकारी से बात करने की कोशिश करती है तो. अधिकारियों द्वारा. टालमटोल कर. बहाना बना दिया जाता हैं सरगुजा वन मंडल इन दिनो जमकर सुर्खियों पर बना हुआँ हैं. जो शासन.प्रशासन. के लिऐ एक बडा सवालिया निशान खडा करता हैं. अधिकारियों से चर्चा करने के लिऐ उनके आफीस के सैकडो चक्कर काटना पडता है वहाँ के स्टाफ के

द्वारा यहकहकर बोला जाता है की साहब जंगल दौरा पर है साहब कें जंगल दौरा करने का क्या अर्थ निकल रहा है साहब जब तस्करों द्वारा आऐ दिन जंगलो मे सफाया करने की मंशा बना चुके है। तो साहब दौरा जाते है याँ फिर मिडिया कर्मी से दूर भागने के लिऐ आफीस स्टाफ को सिखाया गया है की मिडिया कर्मी आऐ तो पूछे जाने पर जंगल का दौरा बता देनाँ सरगुजा वनमंडल के सभी परिक्षेत्र में लकडी तस्कर कहे याँ साफ सब्दो मे लकडी माफिया भी कहा जाता है आखीर इतने बडे बडे वृक्षो कीं बली चढा दी जा रही है कारवाई देखने को मिलती नही हैं एक तरफ वन विभाग कें द्वारा नारा भी लगवाया जाता है पेड बचाओ. एक दूसरा नारा भी आ चुका हैं एक पेड माँ के नाम उसी जिवित वृक्ष की कटाई कीतनी बेरहमी से की जा रही है आखीर कब तक शिलसिला चलते रहेगाँ साहब जंगल रक्षक केवल नाम के लिऐ शाशन उनको महिने का भुगतान कर रही रही है तस्करों द्वारा पौधरोपण तक कों नही छोडा जा रहा हैं आखीर कब तक ऐ सिलसिला देखने को मिलेगाँ साहब ऐ हम नही कहते . ऐ सरगुजा वनमंडल की वनपरिक्षेत्र खुद. कहती है तस्करो द्वारा जमीनी स्तर से. तो पेडो की कटाई की नही जाती आखीर उनके द्वारा कुछ न कुछ सबुत छोड चले जाते है एक कहावत हैं चोर चाहे जितना भी शातिर हो कोई न कोई सुराग छोडकर चले जाता सेम कहानी नही हकीकत है तस्करों की नजर की बात करे हम तो तस्कर भी आजकल होशियार हो चुके हैं उनकी नजर बेसकिमती लकडी पर रहती है और वो उसी को निशाना बनाकर रखे रहते है मौंका देख उस पेड की बली चढा देते हैं लखनपुर क्षेत्र में इन दिनों नीलगिरी लकड़ी की की कारोबार धडल्ले से चल रहा है ग्रामीण अपनी जमीन पर लगाए गए नीलगिरी की लकड़ी लगा हुए है जिसे व्यापारियों को बेचा- जा रहा है हद तो तब हो गई जब लखनपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत गुमगरा बीट के कंपार्टमेंट नंबर 2250 में लकड़ी तस्कर के द्वारा अपनी लकड़ी बता कर फॉरेस्ट विभाग की लकड़ी को कटवा कर बेचने लगा और हद की बात यह है कि ग्रामीण के द्वारा 300 घन मीटर की दो नीलगिरी के पेड़ को कटवाया और हाइड्रा वाहन के माध्यम से जंगल से बाहर निकलवाकर अपनी जमीन पर ल कर रखवाया और बेचने की तैयारी में था पर विभाग के कर्मचारियों को भनक तक नहीं लगी बाद में पता चलने पर विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंच कर उक्त लकड़ी को कब्जे में लेकर कार्यवाही की जा रही है पर विभाग के अधिकारी कर्मचारी इस मामले में कुछ कहने को बच रहे हैं ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दफ्तर के सामने आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने किया धरना प्रदर्शन। CMO मार्को ने किया धरना प्रदर्शन का खंडन

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

अंबिकापुर। अंबिकापुर में मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सामने आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन कर डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है दफ्तर के सामने आखिर धरना प्रदर्शन क्यों किया जा रहा है इस विषय पर क्राँतिरथ छत्तीसगढ़ अखबार के ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला मुख्य चिकित्सा स्वाथय अधिकारी से बात करते हुऐ ष्टस्ह्र- ने धरना प्रदर्शन का खंडन करते हुऐ बताया की सारी प्रकिया डाक्टरों से हो चुकी थीं जिसको लेकर आम आदमी पार्टी को इस बारे मे जानकारी नही थीं जो की सारी बातो कों डॉ क्र-

मार्को मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा निराधार बताया गया।

सरगुजा धान खरीदी केन्द्र में बेचने आए किसानों का सरगुजा कलेक्टर ने माला पहनाकर किया स्वागत, मिठाई भी खिलाई

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

सरगुजा। जिले के 54 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की शुरूआत 14 नवंबर से शुरू कर दी गई है। कलेक्टर विलास भोसकर ने लखनपुर विकासखंड के जमगला धान उपार्जन केन्द्र पहुंचकर खरीदी का शुभारंभ किया। इस दौरान कलेक्टर ने किसानों को माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया। पहले दिन मात्र 5 केन्द्रों पर ही किसान धान बेचने पहुंचे। शेष उपार्जन केन्द्रों पर बोहनी तक नहीं हुई है। जिले में कटाई व मिसाई का कार्य पूर्ण नहीं होने के कारण धान बेचने किसान नहीं पहुंचे। लखनपुर क्षेत्र के ग्राम बिनकरा निवासी भानु राजवाड़े अपने पिता के साथ धान बेचने उपार्जन केंद्र पर पहुंचा था। इसी तरह ग्राम बिनकरा के ही किसान बालचंद राजवाड़े ने 180 बोरी धान बेचने के लिए टोकन कटा है। जिले में 39 आदिम जाति सहकारी समितियों के अंतर्गत 54 धान उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की जानी है। पहले दिन 8 उपार्जन केंद्रों में किसानों ने धान बेचने के लिए टोकन कटवाया। जिले में धान खरीदी का लक्ष्य 3 लाख 51 हजार 74 एमटी रखा गया है। कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी का कार्य होगा, जिससे जिले के किसानों में धान खरीदी को लेकर खासा उत्साह का माहौल है। इस दौरान जिला खाद्य अधिकारी चित्रकांत ध्रुव, डीएमओ अरुण विश्वकर्मा एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। पहले दिन धान बेचने आए किसानों को कलेक्टर व जन प्रतिनिधियों ने माला पहनाकर स्वागत कया गया। इस दौरान किसानों को मिठाई भी खिलाई गई। खरीदी केन्द्रों पर जिला प्रशासन द्वारा किसानों के लिए पानी, बैठने की व्यवस्था की गई है। पहले दिन 54 धान उपार्जन केंद्रों में से मात्र 5 केन्द्रों पर ही किसान धान बेचने पहुंचे। जमगला केंद्र पर 112 क्विंटल, मेन्ड्राकला केन्द्र पर 40 क्विंटल, सुखरी में 51.20, सलका में 34 व प्रतापगढ़ में 40 कुल 277.20 क्विंटल

वापस ले आओ साहब...

श्रीनगर से नहीं लौटी पत्नी, फरियाद लेकर सरगुजा SP ऑफिस पहुंच गया पति

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के केरजू गांव के रहने वाला विजय एक्का अपनी बंधक बनी पत्नी को श्रीनगर से छुड़ाने सरगुजा एसपी से फरियाद लगाई है. विजय एक्का पुलिस चौकी केरजू और सीतापुर थाना के महीनों चक्कर लगाने के बाद थक हार कर अंबिकापुर एसपी कार्यालय पहुंचा. पति का कहना है कि पत्नी को श्रीनगर में बंधक बना लिया गया है. दरअसल, सरगुजा जिले के सीतापुर ब्लॉक के रहने वाले विजय एक्का किसान है. घर की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है. पति का कहना है कि पत्नी अजन्ति एक्का को इसी आर्थिक स्थिति का ढाल बनाकर मानव तस्कर 3 महीने पहले लालच देकर श्रीनगर ले गए. अब श्रीनगर में पत्नी अजन्ति एक्का बंधक है. पत्नी ने फोन कर बंधक बनाए जाने की जानकारी अपने पति को दी. इसके बाद से पति परेशान है और अपनी पत्नी को घर वापस लाने पुलिस कार्यालय के चक्कर लगा रहें है पहले भी आ चुके हैं ऐसे मामले

सरगुजा से ये पहला मामला नहीं है. अक्सर आदिवासी युवक युवतियों को बहला फुसला कर अधिक मजदूरी का झांसा देकर दूसरे राज्य लेकर जाते है. फिर युवक युवतियों को बंधक बना लिया जाता है. मामला सामने आने के बाद पुलिस और जिला प्रशासन अन्य राज्यों में बंधक बने लोगों को घर वापसी तो जरूर करा लेते है, लेकिन मानव तस्करी करने वाले एजेंटो पर कार्रवाई नहीं हो पाती

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में सनातन बोर्ड की मांग जोर पकड़ रही है

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। बेमेतरा जिले में सनातन धर्म से जुड़ी आस्थाओं और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए एक समर्पित सनातन बोर्ड के गठन की मांग ने ज़ोर पकड़ लिया है। जिले के विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस मांग के समर्थन में एकजुट होकर आवाज़ बुलंद की है।

यह पहल सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए एक बड़ी पहल मानी जा रही है, जो उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं बाल योगेश्वर गोरक्षा प्रेमी श्री रामबालक दास महात्यागी जी, जिनके साथ श्री महंत बसंत दास वैष्णव जी , प्रख्यात भागवताचार्य पं श्री नारायण महाराज जंजगीरी , भागवताचार्य श्री प्रमोद शास्त्री जी, भागवताचार्य श्री ओमप्रकाश जोशी जी, और श्रीराम सेवा सत्संग समिति के संयोजक श्री अनिल सिंघानिया, श्री योगेश तिवारी जी बेमेतरा जैसे जिले के प्रतिष्ठित और सम्माननीय धर्माचार्य शामिल हैं। इनके साथ ही जिले के अन्य प्रमुख धार्मिक और समाजसेवी व्यक्तित्व भी इस अभियान को सफल बनाने के लिए जुटे हुए हैं।

सनातन बोर्ड की आवश्यकता और उद्देश्य- सनातन बोर्ड के गठन की यह मांग इसलिए की जा रही है ताकि सनातन धर्म की विविध परंपराओं, धार्मिक रीति-रिवाजों, मंदिरों, पवित्र स्थलों और अन्य धार्मिक-सांस्कृतिक धरोहरों का सही संरक्षण और संवर्धन किया जा सके। इस बोर्ड का उद्देश्य केवल धार्मिक प्रचार-प्रसार तक ही सीमित नहीं होगा, बल्कि यह समाज में सनातन धर्म की मूल मान्यताओं और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य भी करेगा। साथ ही, धार्मिक स्थलों के विकास, परंपराओं के संरक्षण, और सनातन संस्कृति की पहचान को बढ़ावा देने में यह बोर्ड महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

समाज में धार्मिक जागरूकता का संचार- सनातन धर्म से जुड़ी गतिविधियों और आयोजनों के माध्यम से समाज में धार्मिक जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इस बोर्ड के गठन की मांग की जा रही है। इसमें धर्माचार्यों का मार्गदर्शन, धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन, धार्मिक उत्सवों का आयोजन, और धार्मिक आस्थाओं के प्रति युवाओं में जागरूकता उत्पन्न करने के प्रयास किए जाएंगे।

जनसमर्थन की अपील- जिले के इन सम्माननीय धार्मिक व्यक्तियों ने समस्त सनातन धर्म के अनुयायियों और शुभचिंतकों से अपील की है कि वे इस महत्पूर्ण मांग का समर्थन करें और सनातन धर्म की धरोहर को सुरक्षित रखने में अपना सहयोग प्रदान करें। समाज के हर वर्ग से इस पहल में बढ़-चढ़कर शामिल होने का आह्वान किया गया है ताकि सनातन धर्म की परंपराओं को भावी पीढ़ी तक सहेजा जा सके।

समर्थन और संकल्प- बेमेतरा के इन प्रतिष्ठित धर्माचार्यों और समाजसेवियों के नेतृत्व में इस मांग ने जिले के हर वर्ग के लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। सबका मानना है कि सनातन धर्म के मूल्यों और मान्यताओं का संरक्षण आज की पीढ़ी के लिए आवश्यक है और इसे संजोए रखने के लिए एक समर्पित बोर्ड का गठन समय की आवश्यकता है। इस मांग के माध्यम से यह संकल्प लिया जा रहा है कि सनातन धर्म की सुदृढ़ परंपराओं को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

रिक्त आरक्षक संवर्ग के पदों की पूर्ति हेतु भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

सरगुजा। जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा वर्ष 2023-24 के अंतर्गत रिक्त आरक्षक संवर्ग के पदों की पूर्ति हेतु भर्ती प्रक्रिया आज दिनांक 16.11.24 से हुई प्रारंभ। उक्त भर्ती प्रक्रिया दिनांक 30.12.24 तक 10वीं वाहिनी, छसबल, सिलफिली, जिला-सूरजपुर आयोजित हो रही हैं।

पहले दिन 500 अभ्यर्थियों मे से 335 अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया मे हुए शामिल, भर्ती प्रक्रिया मे कुल 82694 अभ्यर्थी होंगे शामिल।

जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा वर्ष 2023-24 के अंतर्गत सरगुजा संभाग के जिले सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, जशपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर तथा पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मैनपाट में रिक्त आरक्षक संवर्ग के पदों की पूर्ति हेतु भर्ती प्रक्रिया आज दिनांक 16.11.2024 से प्रारंभ हुई, आज दिनांक कों कुल 500 अभ्यर्थियों मे से 335 अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया मे हुए शामिल, भर्ती प्रक्रिया मे कुल 82694 अभ्यर्थी शामिल होंगे, उक्त भर्ती प्रक्रिया दिनांक 30.12.2024 तक चलेगी। यह भर्ती प्रक्रिया 10वीं वाहिनी, छसबल, सिलफिली, जिला-सूरजपुर के ग्राउण्ड में आयोजित हो रही है।

भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों हेतु निम्न निर्देश हैं:-*

01- अभ्यर्थी के पास एडमिट कार्ड तथा समस्त प्रमाण पत्रों की मूल प्रति के साथ छायाप्रति होना आवश्यक है। एडमिट कार्ड के अतिरिक्त अभ्यर्थी के स्वयं के पहचान पत्र हेतु एक पहचान पत्र होना चाहिए, इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को भर्ती ग्राउण्ड में प्रवेश दिया जायेगा।

02- भर्ती प्रक्रिया के दौरान ग्राउण्ड के अंदर अभ्यर्थी का मोबाईल लाना या उपयोग करना सर्वथा वर्जित है। अभ्यर्थियों के सामान की सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी।

03- भर्ती केन्द्र में अभ्यर्थी के अतिरिक्त अन्य किसी भी व्यक्ति/रिश्तेदार का उपस्थित रहना पूर्णत: वर्जित है।

04- अभ्यर्थी प्रवेश पत्र में उल्लेखित निर्धारित तिथि को ही आयें।

भर्ती प्रक्रिया पूर्णत: पारदर्शी एवं निष्पक्ष है। भर्ती प्रक्रिया आधुनिक तकनीक के माध्यम से की जा रही है। अभ्यर्थी किसी व्यक्ति के जालसाजी, धोखाधड़ी या लेन-देन से दूर रहें। यदि भर्ती स्थल पर कोई व्यक्ति भर्ती के नाम पर किसी प्रकार का प्रलोभन देता है तो तत्काल उसी सूचना चयन समिति को दें। कोई भी व्यक्ति अगर भर्ती केन्द्र के पास भर्ती के नाम पर प्रलोभन देते हुये पाये जाने पर उसके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

नाबालिग को डरा धमका कर जबरन दुष्कर्म एवं गर्भपात करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

थाना गांधीनगर पुलिस द्वारा मामले में आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त कार्यवाही

नाबालिग सम्बन्धी अपराधों में सरगुजा पुलिस द्वारा की जा रही लगातार कार्यवाही

सरगुजा। सरगुजा पुलिस द्वारा नाबालिग सम्बन्धी अपराधों मे शामिल आरोपियों पर लगातार सख्ती से कार्यवाही कर धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं प्रार्थिया दिनांक 15/11/24 कों थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि विजय मिस्त्री प्रार्थिया की नाबालिग भतीजी कों 5-6 माह पूर्व से डरा धमकाकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित की गई हैं, घटना के बारे मे किसी कों बताने पर जान से मारने की धमकी दिया था, घटना से प्रार्थिया की नाबालिग भतीजी गर्भवती हो गयी थी,जो आरोपी विजय मिस्त्री नाबालिग कों गर्भपात का दवा खिलाकर गर्भपात कराया हैं, प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे अपराध क्रमांक 676/24 धारा 64(2)(ड), 65(1), 88, 351(3) बी.एन.एस. एवं पोक्सो एक्ट की धारा 6 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी विजय मिस्त्री कों पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम विजय मिस्त्री उम्र 26 वर्ष साकिन सकालो किशुननगर थाना गांधीनगर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर नाबालिग कों डरा धमका कर जबरन दुष्कर्म एवं पीड़िता के गर्भवती होने पर गर्भपात कि दवा खिलाकर गर्भपात की घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से आरोपी कों गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, निरीक्षक अशोक शर्मा, उप निरीक्षक रश्मि सिंह, महिला आरक्षक त्रिलोचनी राजवाड़े, आरक्षक घनश्याम देवांगन, ऋषभ सिंह सक्रिय रहे।

बलरामपुर में मिले तीन नर कंकाल, मचा हड़कंप, हुई पहचान

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले बंद पड़े फ्लाई ऐश ब्रिक्स प्लांट से लगे खेत में कंकाल मिलने की खबर सामने आई है. इसके बाद हड़कंप मच गया है. मिली जानकारी के अनुसार पता चला है कि स्थानीय लोग जब धान की फसल काटने गए तो हड्डियों को देखकर हो दंग रह गए. इसके बाद उन्होंने सूचना पुलिस को दी. मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शिनाख्त शुरू की, जिसके बाद लोगों की पहचान हुई. पूरा मामला बलरामपुर जिले के दहेजवार गांव का है, यहां तीन नरकंकाल मिलने बाद हड़कंप मच गया, जानकारी के मुताबिक पुलिस फोरेंसिक टीम से DNA टेस्ट कराया है. साथ ही साथ लोगों की पहचान भी कर ली गई है. मिली जानकारी के अनुसार तीनो मानव कंकाल की पहचान हो गई है. करीब करीब डेढ़ महीने से तीनों लापता थे. ,कुशमी थाना क्षेत्र के कुम्हार पारा के रहने वाले थे तीनो मृतक. मृतकों में एक महिला के साथ उसके दो बच्चे भी थे. जिनकी उम्र 5 साल और 17 साल थी. मामले को लेकर पुलिस छानबीन शुरू कर दी है और लोगों से पूछताछ भी कर रही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बलरामपुर थाना क्षेत्र के स्क शैलेन्द्र पांडेय ने खेत से खोपड़ी और शरीर की कुछ हड्डियां मिलने की पुष्टि की हैं. स्क का कहना है कि डॉक्टरों और फोरेंसिक टीम की मदद केस को सुलझाने के लिए मदद ली जा रही हैं. और यह खेत में मिले अवशेष काफी पुराने लग रहे हैं. फोरेंसिक टीम कि मदद से पुलिस यह पता लगाएगी कि ये सभी कंकाल कब के हैं और कैसे खेत में आए. इसे लेकर लोगों ने बताया फ्लाई ऐश ब्रिक्स प्लांट को द्वारिका गुप्ता चलाते हैं. काफी लंबे वक्त से यह प्लांट बंद पड़ा है. लोगों ने यह भी कहा कुत्तों ने खेत खोदकर नर कंकाल को निकला होगा. गांव में आसपास कोई श्मशान घाट नहीं है. ऐसे में मृत लोगों को खेतों में दफनाया जाता है.

जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत को अंग्रेजों ने तथ्य व सत्य से परे जाकर विलुप्त करने का कुचक्र रचा : पुरोहित

मुख्य अतिथि दीवान ने जनजातीय समाज की जागरुकता और विशिष्ट अतिथि अमरीका ध्रुव ने शिक्षित जनजातीय समाज पर बल दिया

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

बागबाहरा। आरण्यक, ग्राम्य और नगरीय जीवन शैलियों को एक सूत्र में पिरोने वाली भारतीय संस्कृति का सांस्कृतिक प्रतिनिधित्वकर्ता भारत का जनजातीय समाज ही है, जिसका अपना एक गौरवशाली इतिहास और सामाजिक संगठन है, जिसकी समृद्ध परंपराएँ और गहरी आध्यात्मिक चेतना हमें उनसे बहुत कुछ सीखने के लिए प्रेरित करती है। भारत के इतिहास में जनजातीय समाज के उल्लेखनीय योगदान को अंग्रेजों ने षड्यंत्रपूर्वक विलुप्त किया और जनजातीय समाज को पिछड़ा, गरीब और हाशिए पर पड़ा समाज बताया। स्थानीय शासकीय खे.ल. महाविद्यालय में जनजाति गौरव दिवस के निमित्त शुक्रवार को जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत विषय पर आहूत व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता की आसंदी से वरिष्ठ पत्रकार अनिल पुरोहित ने उक्त विचार व्यक्त किए।

पत्रकार श्री पुरोहित ने अपने संबोधन में जनजातीय समाज के प्रति भारत में व्याप्त मिथ्या धारणाओं को समाप्त करने की जरूरत पर बल देते हुए कि भारतीय संस्कृति और सीमाओं के अतिक्रमण के इरादे से आए मुगल आक्रांताओं और बाद में ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ सतत संघर्ष जनजातीय समाज का गौरवशाली अध्याय है, जिसे अंग्रेजों ने अपने झूठ और तथ्य व सत्य से परे जाकर केवल इसलिए विलुप्त करने का कुचक्र रचा, क्योंकि अंग्रेजी सत्ता को सबसे अधिक चुनौती तब भारत के वन्य क्षेत्रों से ही मिली थी, जिससे ब्रितानी हुक्मरानों का अहं चोटिल हुआ था। पुंजा भील, रानी दुर्गावती, तिलका मांझी, बुद्धु भगत, भीमा नायक से लेकर भगवान बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह, गुण्धाधुर आदि जनजातीय समाज के हुतात्मा बलिदानियों की चर्चा करते हुए श्री पुरोहित ने जनजातीय समाज के सामाजिक, आर्थिक, आध्यात्मिक विषयों के साथ ही उनकी समृद्ध ज्ञान-परंपरा पर भी प्रकाश डाला। श्री पुरोहित ने कहा कि जनजाति समाज पुरातन काल से प्रकृति पूजक रहा है। स्त्री-पुरुष में समानता का भाव जनजाति समाज की समृद्ध संस्कृति का हिस्सा है। आज नई पीढ़ी को उस परम्परा और ज्ञान से अवगत कराने की आवश्यकता है। जनजातीय समाज के प्रति व्याप्त विकृत धारणाओं को खत्म करना और जनजातीय समाज के समूचे गौरवशाली इतिहास का अध्ययन व अध्यापन आज समय की मांग है।

व्याखायानमाला के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत के सभापति धरम दीवान ने कहा कि आज जनजातीय समाज को जागरूक होने की अत्यंत आवश्यकता है क्योंकि पुरातनकाल से जमीन, जंगल सभी जनजातियों का रहा है लेकिन जागरूकता के अभाव में अब यह कम होता जा रहा है। अतः सभी पढ़-लिखकर अपना अधिकार जानें। विशिष्ट अतिथि जुनवानी की सरपंच अमरीका ध्रुव ने कहा कि हम आदिवासी शिक्षित होंगे तो समाज शिक्षित होगा। जब समाज शिक्षित होगा तो जनजातीय समाज में जागरूकता आएगी और समाज का विकास हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य बी.एस. ठाकुर ने कहा कि यह दिन जनजाति समुदाय के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान और उनके प्रति सम्मान बढ़ाने के लिए समर्पित है। महारानी दुर्गावती की 500वीं जयंती पर आहूत इस कार्यक्रम का शुभारंभ रानी दुर्गावती, बिरसा मुंडा, वीर गुण्डाधुर, वीर नारायण सिंह, दयावती कंवर के चित्र में धूपदीप, पुष्प अर्पण से हुआ। कार्यशाला के उद्देश्य पर व्याख्यानमाला के सह-संयोजक क्रीड़ाधिकारी पालन कुमार दीवान ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान जनजातीय समाज से संबंधित रंगोली, चित्रकला, निबंध लेखन, फैंसी ड्रेस, ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा जनजाति वेशभूषा, कला, संस्कृति, वाद्ययंत्रों की प्रदर्शनी भी रखी गई थी, जिसे काफी सराहना मिली। देशभर के जनजातीय समुदाय के क्रांतिकारियों की शौर्यगाथा के पोस्टर भी लगाए गए थे। कार्यशाला का संचालन व्याख्यानमाला के संयोजक सहा. प्राध्यापक गजानंद बुडेक ने किया एवं आभार प्रदर्शन प्रयोगशाला तकनीशियन नीलमणी साहू ने किया। कार्यशाला को सफल बनाने में प्राध्यापक शिवगोपाल रात्रे, धनुर्जय साहू, खिलावन पटेल, कोमल सोनवानी, कल्याणी नाग, नितिशा बजाज, सौरभ जैन प्रमुख ग्रंथपाल डॉ .लक्ष्मण सिंह साहू के साथ छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालयीन स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

बागबाहरा के खे.ल. महाविद्यालय में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत विषय पर हुई व्याख्यानमाला, विविध स्पर्धाओं से कार्य को सँवारा गया

जिले में कार्यरत 4 आरक्षकों को प्रधान आरक्षक के पद पर किया गया पदोन्नत

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

सरगुजा। पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा पदोन्नत प्रधान आरक्षकों को शुभकामनायें देकर बेहतर कार्य करने हेतु किया गया प्रेरित। गत दिनांक 15/11/24 को पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री योगेश पटेल (भा.पु.से.)के निर्देशन में पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर अम्बिकापुर मे पदोन्नती कार्यक्रम आयोजित कर 03 महिला आरक्षक एवं 01 आरक्षक कुल 04 आरक्षकों कों फीता लगाकर प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया, पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने सभी प्रधान आरक्षको को पदस्थापना के दौरान अपने अनुभव के आधार पर बेहतर कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया एवं विभाग द्वारा प्रदत्त नई जिम्मेदारी का कुशलता पूर्वक निर्वहन करने की शुभकामनाएं दी गई। पदोन्नत महिला प्रधान आरक्षक किरण सोनी, अंजेला मिंज, मेबिस ज्योत्स्ना खाखा एवं पदोन्नत प्रधान आरक्षक निरज पाण्डेय को कार्यक्रम के दौरान पदोन्नति प्रदान की गई। पदोन्नति कार्यक्रम के दौरान संभागीय सेनानी नगर सेना श्री राजेश पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित पटेल, उप पुलिस अधीक्षक एम.आर. कश्यप, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सीतापुर श्री राजेंद्र मंडावी, नगर सेना कमांडेंट श्री शिवकुमार कठोतिया एवं सरगुजा पुलिस के अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

बलरामपुर जिले के मुरका गाँव में धान की फसल में पाया गया मृत हाथी का शव

ग्रामीणों द्वारा फसल बचाने के लिऐ लगा दिऐ थे करंट. जिससे हाथी आया करंट की चपेट में

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के मुरका गांव में एक नर हाथी का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया है..वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद है और जांच में जुटी हुई है वही डीएफओ का कहना है की हाथी के मौत के कारणों की पातासाजी की जा रही है हालांकि डीएफओ ने हाथी की मौत करंट की वजह से होने की भी शंका जाहिर की है बहरहाल हाथी के शव का पोस्टमार्टम कराने की तैयारी की जा रही है! -दरअसल बलरामपुर वन परिक्षेत्र के मानिकपुर सर्किल के गांव मुरका में आज सुबह धान के खेत में हाथी का शव पाया गया है.जिसके बाद से वन अमला हाथी के मौत के कारणों की पातासाजी में जुटा हुआ है! बता दे आपकों सरगुजा संभाग मे बलरामपुर वनमंडल की बाकी वनमंडल सो बलरामपुर वनमंडल की कार्यसैली मे अभी तक कोई कमी नही पाई गई हैं काँफी वर्षो बाद एक मामला देखने को मिला है

विधायक राजेश अग्रवाल ने लहपटरा और निमहा धान उपार्जन केंद्र में धानखरीदी का किया शुभारंभ

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

अंबिकापुर। विधायक राजेश अग्रवाल अपने विधानसभा क्षेत्र के लखनपुर विकासखंड के ग्राम लहपटरा और निमहा धान उपार्जन केंद्र में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के उपस्थिति में तौल मशीन की पूजा अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। वहीं धान खरीदी केंद्र में धान बेचने आए किसानों को विधायक राजेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने फूल माला पहनकर उनका स्वागत करते

हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही विधायक राजेश अग्रवाल ने उपार्जन केंद्र प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि धान उपार्जन केंद्र में धान बिक्री करने आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े। इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस दौरान उनके साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू, राजेंद्र जायसवाल, सत्यनारायण साहू, भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उपार्जन केंद्र प्रभारी सहित किसान मौजूद रहे।

धान बेचने में किसानों को आ रही समस्या

तहसील कार्यालय में लग रही आवेदकों की भीड़

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। धान उपार्जन केन्द्रों पर धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य सरकार द्वारा किसानों की सहूलियत के लिए टोकन तूंहर हाथ ऐप के माध्यम से टोकन वितरण किया जा रहा है। हालांकि, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। समस्या यह है कि कई किसानों को उनके टोकन में कम रकबा दिखाया जा रहा है। इसका मुख्य कारण यह है कि पंजीयन के दौरान किसानों की ऋण पुस्तिका के अनुसार कुछ खसरा नंबर कट गए हैं, जबकि उन खसरों में भी धान की फसल उगाई गई थी। खसरा नंबर कटने के कारण टोकन में कम रकबा दिखाई दे रहा है, जिससे किसानों को उनकी उपज के हिसाब से कम धान बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। तहसील कार्यालय में इस मुद्दे को लेकर किसानों द्वारा लगातार आवेदन आ रहे हैं। किसानों की परेशानियों को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल इस पर कार्यवाही शुरू कर दी है। तहसीलदार ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए पहल की जा रही है, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। प्रशासन सभी किसानों से अपील करता है कि वे धैर्य बनाए रखें और संबंधित कार्यालयों में अपने आवेदन जमा कराएं। इस समस्या का शीघ्र ही समाधान किया जाएगा ताकि किसानों को उनकी उपज का पूरा लाभ मिल सके। भेंटवार्ता में तहसीलदार प्रकाश यादव और नायाब तहसीलदार मोरध्वज साहू ने बताया कि रकबा कम होने की बात को लेकर आवेदन देने किसान तहसील आफिस पहुंच रहे हैं, किसान परेशान हैं। जितना जल्दी हो सकेगा किसानों के हित में उनकी त्रुटि सुधार के काम को किया जाएगा।

अंबिकापुर के पीजी कालेज आडीटोरियम में बिरसा मुंडा जी की 155 वीं जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

सरगुजा। छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े जनजाति गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल होने अंबिकापुर पहुंची,जहां पीजी कालेज के ऑडिटोरियम में भगवान बिरसा मुंडा जी के 155वें जन्म जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई, कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुयल के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के बारे में अपना विचार व्यक्त किया और उनके कार्यों की सराहना की ,इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का मंत्री द्वारा निरीक्षण कर शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारिया ली, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने मीडिया से चर्चा कर बताया कि भगवान बिरसा मुंडा अपने जल जंगल जमीन को बचाने हमेशा लड़ाई लड़ते रहे , और उनके जीवनी से सिख लेने की बात कही,वही कार्यक्रम के दौरान लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज और जिला कलेक्टर मांदर बजाते नजर आए और मांदर की थाप पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े थिरकती दिखी।

अनियंत्रित होकर पलटा ट्रक

ब्यूरो चीफ पंकज शुक्ला

उदयपुर–सरगुजा जिले के उदयपुर मुख्यालय के ग्राम जजगा के पास भीषण हादसा होते होते बच गया। जिसमें हेल्फर को मामूली चोटें आई है। घटना– साय 5 बजे का है लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जजगा में अंबिकापुर से टाटा ट्रक क्रमांक सीजी 15 डीएम 9867 बिलासपुर मार्ग अंबिकापुर से चना बीज लोड कर के किसानों के लिए उदयपुर अपने रफ्तार से जा रहा था जो पलट गया। हादसे का मुख्य कारण सड़क में मवेशियों को छोड़ दिए रहते है इसके लिए पालने वाले को कोई मतलब नहीं ना ही इस विषय को प्रशासन गंभीरता से कोई नियम बनाता है। चालक से हादसे का कारण पूछताछ में बताया कि वह अंबिकापुर से चना भरकर उदयपुर

गोदाम पहुंचने के लिए निकला था लखनपुर के बाद ग्राम जजग पहुंचने पर अचानक से सड़क पर मवेशी आ जाने के कारण गाय के आ जाने से बचाने के चक्कर में ब्रेक मारने पर अनियंत्रित होकर राइट साइड में पलट गया जिससे ड्राइवर बाल बाल बचा वही हेल्पर को हाथ पर तथा शरीर में कई जगहों पर थोड़ा चोट आया है।

भाटापारा पालिका में अनेक महत्वपूर्ण पद रिक्त, अव्यवस्था का माहौल

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। प्रदेश की सबसे बडी व सबसे पुरानी भाटापारा नगर पालिका मे इन दिनो प्रशासनिक अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है एक ओर जहां अधिकारी कर्मचारी समय पर अपनी कुर्सी व टेबल मे उपस्थित नहीं रहते वहीं दूसरी ओर संपूर्ण पालिका मे अनेक पद रिक्त होने से कार्य संपादन नहीं हो पा रहा है पालिका सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार नगर पालिका मे प्रशासनिक अव्यवस्था के चलते आम नागरिको के कोई भी कार्य समय पर नहीं हो रहे है वहीं शहर मे अंधाधुंध अवैध कब्जे हो रहे है वहीं बिना अनुज्ञा के अवैध निर्माण धडल्ले से चल रहे है जिससे पालिका को भारी राजस्व क्षति एक अरसे से हो रहा है पालिका मे स्वास्थ्य अधिकारी का पद पिछले दस वर्षो से रिक्त है उपर से पिछले कुछ महीनो से स्वच्छता निरीक्षक का पद भी रिक्त हो गया है पूर्व मे पदस्थ स्वच्छता निरीक्षक का तबादला नवापारा राजिम पालिका मे होने के बाद उनके रिक्त स्थान पर शासन द्वारा स्वच्छता निरीक्षक पदस्थ नहीं किया गया है जिसके कारण सफ ाई व्यवस्था पर भी व्यापक असर पड़ रहा है वहीं पालिका मे राजस्व निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक, कर्लक सहित दर्जनो अन्य पद रिक्त है जिसके कारण समूचे पालिका मे अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है और तो और जो शेष कर्मचारी है वे भी निर्धारित समय पर डयूटी मे पालिका मे नहीं पहुंच रहे है और जो पहुंचते है वे भी निर्धारित समय के पहले कार्यालय छोड़कर चार बजे ही भाग खडे होते है फ लस्वरूप आवश्यक कार्य से पालिका पहुंचने वाले तमाम नागरिको को चक्कर पे चक्कर लगाना पड़ रहा है कुल मिलाकर अव्यवस्था के साये मे पालिका प्रशासन चल रहा है। प्रबुद्ध नागरिको ने जनहित मे पालिका मे स्वास्थ्य अधिकारी स्वच्छता निरीक्षक सहित तमाम अन्य रिक्त पदो पर पूर्ण कालिक कर्मचारी अधिकारी पदस्थ करने की मांग की है ताकि व्यवस्था कायम हो सके व जनहित के तमाम कार्य सुचारू रूप से समय पर पूर्ण हो सके।

भाटापारा की सड़कों पर बिल्डिंग मटेरियल्स के फैलाव से लोग दुर्घटनाग्रस्त हो रहे

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर की प्रमुख सड़को पर इन दिनो बिल्डिंग रॉ मटेरियल रखे जाने से सड़क मार्ग पर चलने वाले तमाम लोग परेशान हो रहे है नगर के प्रमुख सड़क व विभिन्न वार्ड एवं मोहल्ले एवं गलियो मे सैकड़ो की संख्या मे भवन निर्माण के अलावा निजी व्यवसायिक काम्पलेक्स व दुकानो का बेखौफ निर्माण हो रहा है जिसमे से अनेक निर्माण कार्य के लिये नगर पालिका प्रशासन से अनुज्ञा भी प्राप्त नहीं किया गया है व बिना नक्शा स्वीकृति के अवैध रूप से धडल्ले से सड़क पर कब्जा करते हुये निर्माण कार्य किये जा रहे है इस बीच उक्त निर्माण कार्य के परिपेक्ष्य मे सड़क पर रेत, गिटटी, इंट, मुरूम, छड़, सीमेंट व बोल्डर कई कई दिनो तक रखे जाने से लोगों को आवाजाही मे भारी दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है। सायकल चालक दुपहिया वाहन खासकर स्कूटी चालक रेत व मिटटी मुरूम मे फि सलकर गिर रहे है जिसमे अनेक युवा युवती बुर्जुग व स्कूली बच्चे चोटिल भी हो रहे है शहर के प्रायरू सभी प्रमुख मार्गो व विभिन्न वार्डो मे भवन व व्यवसायिक दुकान निर्माण करने वाले बेखौफ होकर बिल्डिंग मटेरियल्स को सड़क पर रख रहे है जिससे आवागमन जहां बाधित हो रहा है वहीं लोग परेशान हो रहे है एक अरसे से पालिका प्रशासन द्वारा सड़क पर बिल्डिंग मटेरियल्स रखने वालो के विरूद्ध ठोस कार्यवाही नहीं किये जाने से सड़क पर बेखौफ होकर बिल्डिंग मटेरियल रखने वालो के हौसले बुलंदी पर है इसके अलावा सड़क पर हीं कुछ हिस्सो मे पुराने मकान के मलबे व लकड़ी, बांस, खपरा, म्यार, मुरूम, मिटटी रखे जाने से भी यातायात निरंतर बाधित हो रहा है। लोकहित मे पालिका प्रशासन सड़क पर रेती गिटटी, मुरूम, छड़, सीमेंट, इंट तथा बोल्डर पटनी, पाटा बांस बल्ली व पुराने दुकान मकान के डिस्मेंटल किये गये सामान रखने वालो के विरूद्ध ठोस व दंण्डात्मक कार्यवाही करें ताकि लोगों को सड़क यातायात मे किसी भी प्रकार का व्यवधान का सामना ना करना पड़े।

हरी सब्जियों के भाव में तेजी का रूख बरकरार

भाटापारा। हल्की ठंड की आगाज के बीच लोकल सब्जी बाडियो से हरी सब्जियो की आवक तेज हो गई है लेकिन महंगाई की मार से हरी सब्जी खरीदने वाले अब भी कराह रहे है। लोकल सब्जी बाड़ी तरेंगा, कुलीपोटा, टेंहका, डोंगरिया, बोड़तरा, सेमरिया, दरचुरा, सीतापार, टिकुलिया, दुधिया नवागांव, मजगांव, बोरसी, सेमरिया घाट, दौरेंगा सहित अन्य गांवो से आने वाली हरी सब्जी जिसमे की लाल भाजी, पालक भाजी, मैथी, धनिया व टमाटर के भाव मे अभी भी अप्रत्याशित रूप से तेजी का माहौल बना हुआ है जिसके कारण उपभेक्ताओं के जेब पर भार पड़ रहा है वहीं बाहर से आने वाली हरी सब्जियो के भाव भी आसमान छू रहे है जिसमे हरी मटर व शिमला मिर्च ने शतक से आगे पहुंचकर लोगों को महंगाई का भरपूर ऐहसास करा दिया है। बाजार मे टमाटर व प्याज लगभग बराबर रेट 70 रूपये प्रति किलो तक शुक्रवार को जा पहुंचा वहीं गोभी, पत्ता गोभी, बरबटटी, भिंडी, कददू, कुम्हड़ा, परवल, लौकी, गाजर, खीरा, चुकंदर, कच्चा केला, तरोई, मिर्ची, अदरक, नीबू, करेला, धनिया, मूली सहित अन्य सब्जियो के भाव मे भी वृद्धि का क्रम बरकरार है इधर थोक सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि भाटापारा बाजार मे बाहर राज्यो से सब्जियो की आवक कमजोर होने से भाव अभी महंगे है वहीं लोकल सब्जी बाडी व बाहर के राज्यो से हरी सब्जियो की आवक कुछ सप्ताह मे बढने के बाद तमाम हरी सब्जियो के भाव नीचे गिरने की भरपूर संभावना है।

भाटापारा में शुरूआती ठंड के बीच छाने लगा धुंध व कोहरा

भाटापारा। शहर व क्षेत्र मे अचानक से अब ठंड का ऐहसास होने लगा है। शहर के तापमान मे शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई नगर का न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस अल सुबह रहा जिसके चलते लोगों को हल्की ठंड का भरपूर ऐहसास हुआ वहीं शहर के चारो दिशाओं की सड़क पर धुंध व कोहरे छाये रहे जिससे प्रातरू सात बजे तक वाहन चालको को कोहरे के कारण वाहन चालन मे हल्की दिक्कतो का सामना करना पड़ा क्षेत्र मे यह पहला अवसर है जब शुरूआती ठंड के बीच लोगों को धुंध व कोहरे का सामना करना पड़ रहा है यह मौसम मे परिवर्तन के आहट के साथ हीं लोगों के घरो से गर्म कपडे कंबल, शाल, मफ लर, कंटोप, मोजे, जैकेट व स्वेटर बाहर निकलने लगे है वहीं शहर के छोटे बडे तमाम दुकानो व कपड़ा विक्रेताओं के यहां गर्म कपड़ो का स्टाक बिक्री के लिये अब बाहर सजने लगा है अधिकांश कपड़ा दुकानो मे कंबल, शाल, मफ लर, कंटोप, मोजे, जैकेट व स्वेटर के नये नये वेरायटी बिक्री के लिये उपलब्ध हो गये है वहीं दूसरी ओर चैक चैराहे पर भी गरम कपडे की बिक्री करने वाले अब शहर मे पहुंचने लगे है।

गजानंद महाविद्यालय की टीम ने 8 वीं बार खो खो ट्राफी जीती

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। स्थानीय शासकीय गजानंद अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यायल का पिछले आठ वर्षो से खो खो खेल प्रतियोगिंता मे ट्राफ ी पर कब्जा एक बार फि र बरकरार रहा। महासमुंद सेक्टर खो खो पुरूष वर्ग प्रतियोगिता मे गजानंद अग्रवाल महाविद्यालय के खो खो टीम ने एक बार फि र खो खो प्रतियोगिता मे ट्राफ ी जीतकर अपना वर्चस्व साबित किया है। उक्त सफ लता पर प्रभारी प्राचार्य आनंद मिज, जितेन्द्र यादव, सुभम यदू, सब्बू दास मानिकपुरी तथा महाविद्यालय के सभी स्टाफ के लोगों ने खो खो टीम को बधाई दी है व उम्मीद प्रकट की है कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे वे निश्चित रूप से सफ लता का परचम लहरायेंगे।

स्टेट बैंक कृषि शाखा की योजना से दुखी परिवार में हर्ष का माहौल

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। स्थानीय स्टेट बैंक कृषि वांणिज्य शाखा एवं एसबीआई लाईफ बीमा कंपनी ने दीपावली के पावन पर्व पर शहर के एक परिवार को ऋण मुक्ति की खुशियां देने का बेहतर काम किया है। उपरोक्त संबंध मे बैंक सूत्रो से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के कमल नारायण वर्मा ने लगभग दो वर्ष पूर्व स्टेट बैंक कृषि वांणिज्य शाखा से अपने मकान निर्माण हेतु लोन लिया था इस दौरान उन्होने एसबीआई की लाईफ कंपनी का ऋण रक्षा भी बीमा के तहत लिया था इस बीच कमल नारायण वर्मा के

असमय निधन के पश्चात परिवार पर दुखो का पहाड़ टूट पड़ा क्योकि परिवार के एक मात्र कमाउ सदस्य की मृत्यु से परिवार जहां दुखी था वहीं बैंक ऋण लेने की वजह से मकान से बेदखल होने का डर भी परिवार के सदस्यों को सताने लगा ऐसे विपरित समय मे भारतीय स्टेट बैंक एवं स्टेट बैंक आफ इंडिया लाईफ बीमा कंपनी ने अपने दायित्वो का निर्वहन करते हुये त्वरित कार्यवाही की व बीमा दावा प्रक्रिया का निष्पादन मे तत्परता दिखाते हुये मात्र 78 हजार रूपये के प्रीमियम के एवज मे परिवार को 20 लाख का बीमा दावा का भुगतान कराया इस बीमा दावा की राशि से वर्मा परिवार का मकान पर लिया गया ऋण पूर्णतरू ऋण मुक्त हो गया एवं वर्मा परिवार को घर विहिन होने से मुक्ति भी मिल गई। बीमा दावा व ऋण मुक्ति प्रमाण पत्र लेते हुये वर्मा परिवार को ऐसा महसूस हुआ मानो तपते रेगिस्तान मे वर्षा हो रहीं हो। कमल नारायण वर्मा के निधन से दुखी परिवार को दीपावली के समय ऋण मुक्ति का तोहफ। मिलने से परिवार मे नई आशा व उत्साह का संचार हुआ। कृषि वांणिज्य शाखा के प्रबंधक अनुपम सिंग ने कहा कि स्टेट बैंक आफ इंडिया सदैव अपने ग्राहको के साथ रहा है और ग्राहको के हित मे अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन लगातार जारी है बैंक ग्राहको को जमा योजना, ऋण योजना, जीवन बीमा, सामान्य बीमा, म्यूचुअल फं ड निवेश व एसआईपी सहित अन्य सुविधा प्रदान करने वाली देशी की सबसे बडी बैंकिंग संस्थान है जिसका एकमात्र उददेश्य बैंक के ग्राहको को हर प्रकार की सुविधा व सेवा देना उसका प्रथम लक्ष्य है।

भाटापारा बाजार में देव उठनी एकादशी को लेकर ग्राहकी का आया सैलाब

जगह जगह गौरी गौरा विसर्जन यात्रा निकलने की वजह से जाम के हालात

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। देव उठनी एकादशी व तुलसी विवाह के अवसर पर शहर का बाजार जबरदस्त रूप से गुलजार रहा लोग एकादशी व तुलसी विवाह मे उपयोग आने वाले पूजा सामान सहित गन्ना, कांदा, सिंघाड़ा, बेर, चना भाजी, भटा, मूली सहित अन्य सामाग्री लेने हजारो की तादाद मे टूट पडे जिसके कारण समूचे भाटापारा शहर के प्रायरू सभी हिस्सो मे मेला जैसा माहौल बना रहा। फ ौव्वारा चैक से जय स्तंभ चैक तक निकलने मे लोगों को भारी भीड़ के कारण परेशानी से जूझना पड़ा इसी प्रकार की स्थिति शहर थाना से बस स्टैड की ओर जाने वाली सड़क पर दिनभर बनी रहींवहीं देव उठनी एकादशी के मौके पर नगर के लगभग 40 से अधिक स्थानो पर गौरी गौरा विसर्जन का कार्यक्रम देर शाम तक चलते रहा जिसके चलते सड़क पर लगातार भीड की वजह से जाम के हालात बने रहे बस स्टैड क्षेत्र से लेकर मुख्य मार्ग गोविंद चैक, सदर बाजार, रामसप्ताह चैक, कईहा

तालाब व कल्याण सागर तालाब की ओर गौरी गौरा विसर्जन यात्रा निकलने की वजह से संपूर्ण मार्ग यातायात के दृष्टिकोण से बाधित रहा छोटी दीपावली पर नगर के प्रायरू सभी दुकानो मे जमकर ग्राहकी होने से दुकानदार पूरे दिनभर व्यस्त रहे चैक चैराहे पर शिवरीनारायण, बेमेतरा, कवर्धा, मुंगेली, पिपरिया सहित दूर दराज गांव से आये लोगों ने गन्ना की जमकर बिक्री की प्रातरू से ज्यों ज्यों दिन निकलते गया त्यो त्यों गन्ना का भाव बढते गया शाम तक पूजा के लिये लोग गन्ना ले जाते रहे फ लस्वरूप सुबह 50 रूपये जोडी का गन्ना शाम होते तक 100 रूपये से अधिक कीमत पर बिकने लगा इसी तरह छोटी दीवाली के अवसर पर तमाम पूजन सामाग्री के अलावा दूध, दही, घी, बताशा लाई, मिठाई एवं अन्य सामान बडे पैमाने पर बिकते रहे।

अमृतसर यात्रा पर गये सिक्ख समाज का जत्था

भाटापारा। आज मंगलवार को सरदार राजवंत सिंग बग्गा के नेतृत्व मे लगभग 50 श्रद्धालुओं का जत्था भाटापारा रेल्वे स्टेशन से संपर्कक्रांति एक्सप्रेस मे रवाना हुआ। इस जत्थे मे राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई और भाटापारा क्षेत्र के अन्य लोग भी शामिल है। यह जत्था अमृतसर साहिब, ननकाना साहिब, पाकिस्तान और लाहौर के प्रमुख गुरूद्वारो के दर्शन करने के पश्चात अमृतसर साहेब वापस आयेगा। इस जत्थे मे भाटापारा शहर की महिला हरजीत कौर गुम्बर भी शामिल है। जत्थे को बिदाई देने स्टेशन परिसर मे सिक्ख समाज के अमरजीत सलूजा स्मार्ट, बलवंत सिंग सलूजा, हरभगवान गुम्बर, कुलवंत गुम्बर, गुरूमीत गुम्बर, जोंटी गुम्बर, राजा गुम्बर, अमरजीत सिंग सलूजा सहित बबलू चांवला व सिक्ख समाज के अन्य महिला पुरूष बडी तादाद मे उपस्थित थे।

आदि गौड समाज का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

भाटापारा। स्थानीय कुंदन भवन मे आदि गौड ब्राम्हण समाज का दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमे बडी तादाद मे सामाजिक बंधु व अन्य लोग शामिल हुये। उपरोक्त अवसर पर रोधश्याम फ ग्गा शर्मा, रमेश तिवारी, हरगोपाल शर्मा, पम्मू उपाध्याय, राजेन्द्र शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, रूपेश तिवारी, उमाकांत शर्मा, रवि शेखर, भृगु, राजेन्द्र भृगु, देवेन्द्र भृगु, संतोष शर्मा, नरेश शर्मा, नरेन्द्र शर्मा, मोहन पांडे, विजय पांडे, शैलेश दवे, लक्ष्मीनारायण शर्मा व घनश्याम वैष्णव सहित बडी संख्या मे अन्य लोग उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के तत्वाधान में 62 यूनिट ब्लड डोनेट किया

भाटापारा। छत्तीसगढ राज्य सिरजन दिवस के अवसर पर क्रांति सेना जय जोहार छत्तीसगढ पार्टी के द्वारा महतारी चैक मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे विभिन्न पदाधिकारी व युवाओं ने बढ चढकर हिस्सा लेते हुये लगभग 62 यूनिट ब्लड डोनेट किया। इसके पूर्व स्व. परसराम यदू के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलित कर एवं छत्तीसगढ राज्य के राज्य गीत अरपा पैरी के धार से कार्यक्रम का आगाज किया गया। उक्त कार्यक्रम मे डॉ.देवेश वर्मा प्रमुख रूप से ब्लड प्रेशर शुगर जांच एवं रक्तदान कार्यक्रम को संपन्न कराने उपस्थित थे। सभी रक्तदाताओं को छत्तीसगढिया क्रांति सेना के द्वारा प्रमाण पत्र प्रशस्ति पत्र के साथ हेलमेट व गमछा प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे बाबा चंन्द्राकांत यदू, गोपाल वर्मा, सनत यदू, देवप्रसाद वर्मा, जितेन्द्र वर्मा, योगेश, सतीश यादव, पूरब देवांगन, सुरेन्द्र यदू, विनोद वर्मा, जितेन्द्र साहू के अलावा लक्ष्मी पांडे, भी उपस्थित थी।

गुरूनानक जयंती की पूर्व संध्या पर भव्य नगर कीर्तन जुलूस निकला

भाटापारा। स्थानीय गुरूद्वारा सिक्ख समाज द्वारा गुरूनानक देव के 555 वें गुरू परब पर पंज प्यारो की अगुवाई मे भव्य नगर कीर्तन जुलूस निकाला गया जिसमे पंज प्यारो की अगुवाई मे भव्य रूप से सजे वाहन मे गुरू ग्रंथ साहेब का नगर भ्रमण करते हुये भव्य जुलूस निकाला गया। जिसका जगह जगह लोगों ने स्वागत किया इस नगर कीर्तन मे पंजाब प्रांत से आये हुये गतका दल का शौर्य प्रदर्शन भी लोगों को देखने मिला। फ ौव्वारा चैक पर जल पान की व्यवस्था की गई थी यहां पर कांग्रेस विधायक इंन्द्र साव, सतीश अग्रवाल, सुशील शर्मा के अलावा भाजपा नेता राकेश तिवारी, आशीष जायसवाल एवं अन्य लोगों के द्वारा पंज प्यारो का स्वागत किया गया और सम्मान स्वरूप शाल भेंटकर आभार प्रकट किया गया। संपूर्ण नगर का भ्रमण पश्चात नगर कीर्तन वापस गुरूद्वारा साहिब पहुंचा जहां सभी साध संगत का स्वागत करते हुये लंगर का आयोजन किया गया जिसमे मारो, नवागढ, सिमगा, सरगांव, बलौदाबाजार, बैतलपुर से आये सामाजिक सदस्यो ने हिस्सा लिया। इन सभी संगतो का शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम मे अरूण छाबड़ा बंटी, शैली भांटिया, अमरजीत सलूजा, हरप्रीत सलूजा, हरमिंदर सलूजा, मंजीत सिंग सप्पल, बलवंत छाबड़ा, इंन्द्रजीत राणा, कन्हैया सेठी, परमजीत छाबड़ा, मंजीत छाबड़ा, देवेन्द्र सचदेव, मंजीत छाबड़ा, हरभगवान गुम्बर, भाग सिंग सलूजा, गुलशन सचदेव, भगत सिंग छाबड़ा, अमन छाबड़ा, रगबीर मक्कड़ व इंन्द्रजीत छाबडा सहित अन्य लोग शामिल हुये। कार्यक्रम मे अन्य समाज के लोगों ने उक्त सिक्ख पंथ के नगर कीर्तन जुलूस का जगह जगह स्वागत किया।

अग्रसेन भवन भाटपारा में

भूषणिया परिवार ने तुलसी विवाह समारोह का किया भव्य आयोजन

हर्षोल्लास के साथ परिवारजनों ने भाग लिया

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर के प्रतिष्ठित भूषणिया परिवार द्वारा इस वर्ष तुलसी विवाह का सामूहिक आयोजन किया गया, जिसमें परिवार के 9 जोड़ों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक नितिन भूषणिया ने बताया कि,दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन 12 नवंबर को तुलसी विवाह रचाया गया।

सुशील-शशि, महेश-मधु, ने भाग लिया।

दो दिवसीय इस समारोह में भाटापारा के अलावा रायपुर, बिलासपुर,चाम्पा के परिवारजन शामिल हुए। अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुए इस दो दिवसीय समारोह की नगर में प्रशंसनीय चर्चा रही। समारोह को संपन्न कराने में भूषणिया परिवार के सभी छोटे बड़ों को सर्वश्री ताराचंद,गोपाल प्रसाद, निर्मलचंद, राजकुमार आदि का अमूल्य सहयोग मिला।

अग्रसेन भवन भाटापारा से भगवान शालिग्राम की प्रतीकात्मक बारात रानी सती मंदिर होते हुए वापस अग्रसेन भवन में आई जहां भगवान शालिग्राम के साथ माता तुलसी का विवाह एवं हवन संपन्न हुआ।

तिल्दा नेवरा निवासी पंडित सत्य नारायण तिवारी उनके सहयोगी पंडित लक्ष्मण प्रसाद तिवारी एवं पंडित नितिन तिवारी ने भगवान शालिग्राम के साथ माता तुलसी का विधिवत विवाह एवं हवन सम्पन्न कराया। दूसरे दिन 13 नवंबर को कन्यादान तथा गोदान की रस्में निभा कर विदाई दी गई। वहां 27 ब्राह्मण दंपतियों को भोजन के बाद उपहार दिए गए।

भूषणिया परिवार के नौ जोड़ों में सर्वश्री भागवत-चंदा, भुवन-चंदा, प्रेम-कुसुम, नारायण -सविता, दीपक-नेहा (सुशीला), चंद्रप्रकाश-रीना (सरोज), राजेंद्र- सुशीला,

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा मिशन मिडिया प्रा.लि. रजबंधा मैदान रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / www.krantirath.in